अमृत विशेषांक

दीप कमल

सितंबर-अक्टूबर 2025, ₹ 10.00

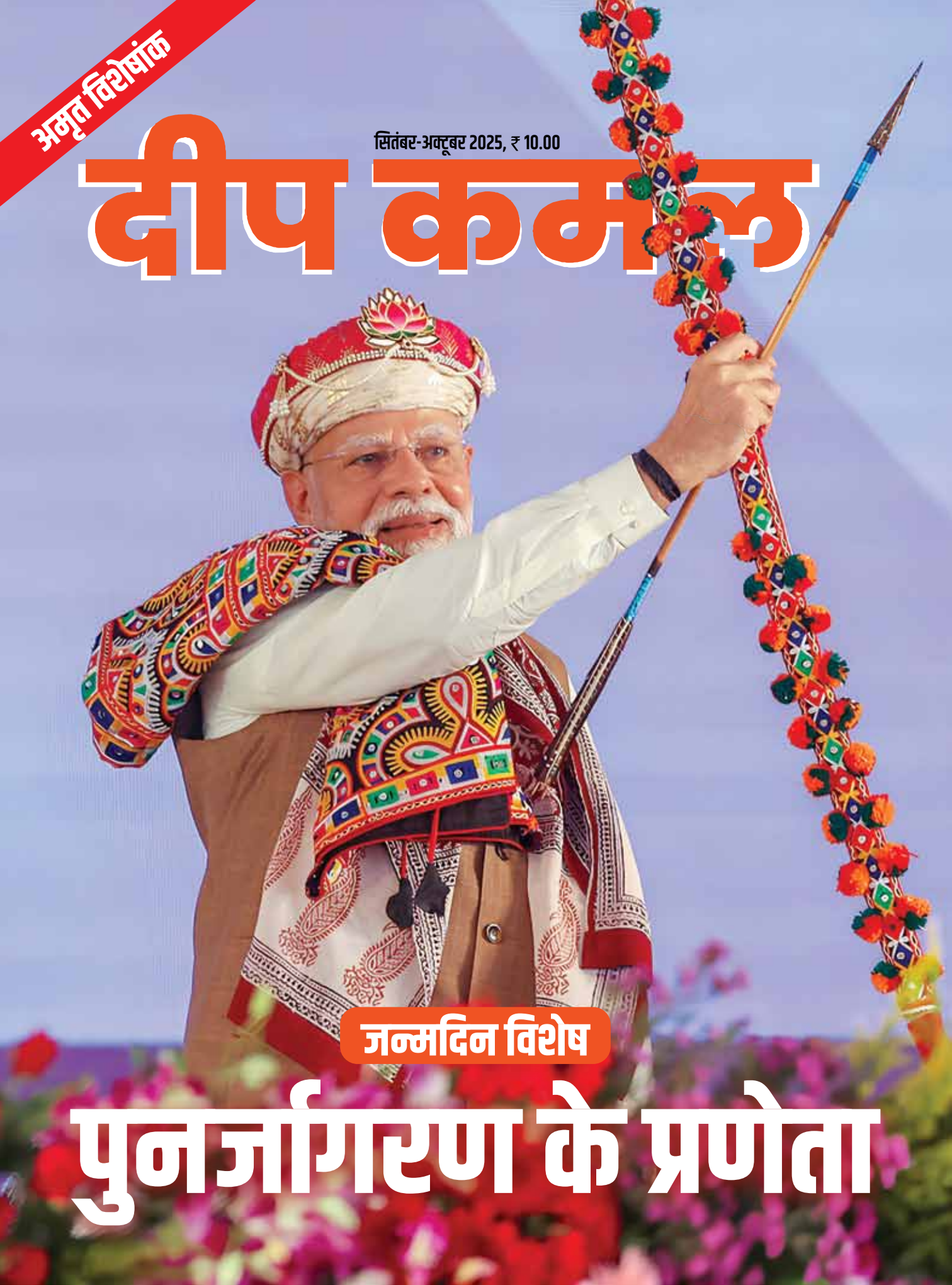

जन्मदिन विशेष

पुनर्जागरण के प्रणेता

नवयुव के लौह पुरुष का प्रदेश प्रवास

गृहमंत्री श्री अमित शाह ने नक्सल मुक्त भारत का संकल्प पुनः दोहराया।

दीप कमल

वर्ष-21, अंक-9-10, सितंबर-अक्टूबर 2025

संपादक
पंकज कुमार झा

प्रबंध संपादक
हेमंत पाणिग्रही

मुद्रक एवं प्रकाशक
किरण देव द्वारा, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के लिए, विश्व परिवार से मुद्रित एवं कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, बोरियाकला, रायपुर से प्रकाशित।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

www.deepkamal.online

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

mydeepkamal@gmail.com
0771-2233500, 2233511
92016-33511

सोशल मीडिया से

Narendra Modi

नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की संकल्प शक्ति ने नई ऊर्जा से भर दिया।

Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS)

Jagat Prakash Nadda @JPNa... · 7h

विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता, नये भारत के शिल्पकार, माननीय प्रधानसेवक आदरणीय श्री @narendramodi जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

"सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी ने सभी वर्ग के उत्थान और 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' निर्माण के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में कई युगांतरकारी कदम उठाये हैं। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में हमारे राष्ट्र की अध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक प्रतिष्ठा मिली है। आपका कुशल मार्गदर्शन हम सभी कार्यकर्ता: भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज है।

ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें। हार्दिकशुभकामनाएँ!

Amit Shah

आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, बस्तर के 'मुरिया दरबार' में जाकर सुखद अनुभूति हुई। लोकतंत्र की जमीनी शक्ति को दर्शाता यह 'मुरिया दरबार' बताता है कि कैसे लोकतंत्र सदियों से बस्तर की जीवनशैली का अभिन्न अंग रहा है और नक्सलवाद ने कैसे बस्तर की इस प्रगतिशील पद्धति को ठेस पहुँचाई।

'मुरिया दरबार' की मांझी-चालकी में हर जनजाति के प्रतिनिधित्व से जनसंवाद का ऐसा मंच स्थापित होता है, जो सुझावों, सामाजिक विषयों और रीति-रिवाजों पर खुले दिल से चर्चा कराता है। यह दरबार पूरे विश्व के लिए लोकतंत्र और सामाजिक समरसता का एक आदर्श मॉडल है।

Vishnu Deo Sai @vishnudsai · Follow

Translate post

वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रांत प्रचारक श्री बांकाराम सर्राफ जी के देवलोक गमन का समाचार अत्यंत दुःखद है।

उनका जीवन, समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और प्रेरणा का अद्वितीय उदाहरण रहा है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शुभचिंतकों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

Bjp Chhattisgarh

माननीय श्री CP Radhakrishnan जी को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

Kiran Singh Deo

"स्वच्छता ही सेवा है और सेवा ही धर्म"

आज जगदलपुर के वृंद क्रमांक 150 स्थित वीर शिरोमणि म प्रताप जी की मूर्ति परिसर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छ अभियान में सम्मिलित हुआ।

स्वच्छता अभियान राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही स्वच्छ और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्व भारत मिशन को गति देते हुए हम सबका दायित्व है कि आने पीढ़ियों को स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध भारत दें।

Narendra Modi

#HappyBdayPMModi
#SevaParv
#SevaPakhwada2025
#seva_pakhwada_chhattisgarh
#सेवापखवाड़ा_छत्तीसगढ़

संपादकीय

...परित्राणाय साधूनां

विनाशाय च दुष्कृताम्

वाल्मीकि रामायण के रचे जाने की एक सुंदर पृष्ठभूमि है। काव्य चेतना प्राप्त हो जाने के बाद महर्षि वाल्मीकि के अंतर में छटपटाहट होती है किसी ऐसे व्यक्ति की कथा को शब्द देने की, जो तब की सभ्यता में अतुलनीय और अनुकरणीय हो। वे नारदजी के पास जाते हैं और समाधान के लिए निवेदन करते हैं। ऐसे किसी अव्यक्त व्यक्ति के बारे में जानने, जो सर्वगुण सम्पन्न, चरित्रवान, नीतिवान, आत्मवान, प्रियदर्शन हो। वृहत संवाद है, जिसमें नारदजी बताते हैं कि जिस व्यक्ति की महर्षि को तलाश है, वे इक्ष्वाकू वंश में उत्तपन्न मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हैं।

क्योंकि अपनी परम्परा में हर अच्छी बात के प्रतीक के तौर पर ईश्वर की उपमा देते रहने का विधान है, क्योंकि हम हर अच्छी और बड़ी बातों को 'ईश्वर' समझते हैं, तो इस आधार पर आज आप यह कह सकते हैं कि वैश्विक राजनीति के आज के पुरोधाओं में से अगर आप किसी ऐसे नेता को तलाशने निकलें जो सर्व गुण विभूषित हो, जो दुर्जनों के लिए वज्र से अधिक कठोर और सज्जन शक्ति के लिए पुष्प सरीखा मृदु हो, जो साधु शक्तियों का परित्राण और दुष्कर्मियों के समूल विनाश की इच्छा शक्ति से पूर्ण हो, जिसकी वैश्विक स्वीकार्यता ऐसी हो कि हमें सदियों गुलाम रखने वाले देश के प्रमुख भी जिसकी तुलना सूर्य और चंद्रमा से करने लगें - जैसा कि तात्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा था - जो...

ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने मां भारती के पुरा वैभव की पुनर्स्थापना हेतु स्वयं को समिधा बनाते हुए, विश्व बंधुत्व का संदेश देकर विश्व गुरु के पद पर पुनः हिंदुस्थान को अधिष्ठित करने जैसा सफल भगीरथ प्रयत्न किया हो, जिसने सौ करोड़ से अधिक सनातनियों के मानस में 56 इंच का उभरा सीना और उन्नत मस्तक रोप दिया हो, तो ऐसे एकमात्र व्यक्ति, भारत के राजनीतिक इतिहास का अकेला ऐसा शूरवीर आप जिन्हें पाएँगे, वे स्वनामधन्य निस्संदेह श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी हैं। अद्भुत संयोग है कि आज सवा सौ करोड़ से अधिक का हो चुके इस देश से निकले सवा सौ वर्ष पहले एक और 'नरेन' ने विश्व को आध्यामिक विवेक का आनंद संचरित किया था, वहीं ये नव नरेंद्र आज समूची मानवता के समक्ष सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना का प्रसार कर अपने ही नामराशि के 'नरेन' की तरह हमें गौरव से ओतप्रोत होने का अवसर दिया है, इसके लिए हम भारत के लोग निस्संदेह अपने इस नेता के ऋणी हैं।

सन 2014 की वह गर्म चिचिलाती शाम याद कीजिए, जब संघ के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र दामोदरदास ने पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। याद कीजिए कि कैसी विषम परिस्थिति थी तब जब बागडोर एक विशुद्ध भारतीय देसी संस्कार और संस्कृति में रचे-पगे प्रधानमंत्री ने सम्हाला था। घोर नैराश्य की दशक भर लम्बी काली रात के बाद यह सुबह हुई थी। घपले-घोटाले, भ्रष्टाचार, अनाचार, तुष्टीकरण, आतंक, गरीबी, कर्ज आदि के बोझ तले दबा तब का भारत वैसा था जिसे अनधिकृत रूप से एक विदेशी भूमि पर जन्मी संदिग्ध महिला हांक रही थी। बिना संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लिए वे ऐसी शक्तिमान बन गयी थी जिनके आगे प्रधानमंत्री का पद महज़ रिपोर्ट करने वाला नौकरशाह सरीखा हो गया था। वैसे घोर नैराश्य में संभावनाओं का सूरज रोप देना, भोर की आशा पैदा कर देना ही कोई बड़ा चमत्कार जैसा था। 'अच्छे दिन आने वाले हैं' का भरोसा जगा कर वह व्यक्ति फिर लग गया था अहर्निश मां भारती की आराधना में। ऐसी आराधना जहां रुकना मना था, थकना पाप था, स्वयं के लिए छुट्टियां जहां अपराध था, वीर कुंवर सिंह की तरह जहां 75-80 वर्ष की हड्डियों में शत-शत यौवन बिखेरे महज चलते जाना था ताकि देश रुके नहीं। थमे नहीं।

चुनौतियों का पहाड़ था। पर संकल्प उससे भी अधिक अपार था। लाखों करोड़ के भ्रष्टाचार वाली विरासत के बरक्स शुचिता और मितव्ययिता। तुष्टीकरण के विरुद्ध संतुष्टीकरण का राग अर्थात् सबका साथ-सबका विकास, आगे सबका प्रयास और सबका विश्वास। मन और शरीर में भर दी गयी गंदगी के विरुद्ध स्वच्छ भारत का नाद। विकृत सोच और खुले में शौच से मुक्ति का आह्वान। बीमार मानसिकता के विरुद्ध स्वस्थ भारत। आकस्मिक गले आन पड़े वैश्विक आपदा कोरोना के विरुद्ध आत्मनिर्भरता का साहसिक आह्वान। पड़ोसी पाकिस्तान से मार खाते रहने के दशकों की परम्परा के उलट घर में घुस कर मारने का साहस, सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर तक। भ्रष्टाचार और अनाचारी खानदान के समूल विनष्टि हेतु नोटबंदी से लेकर लुटेरों की जेलबंदी तक का निर्णय।

श्रीराम मंदिर निर्माण जैसा कालजयी कार्य। गर्त में जा रही अर्थव्यवस्था को उबारते हुए विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना देने का करामात। व्यापार सुगमता, विधि सुगमता, जीवन सुगमता, कर सुधार, जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक को भारत का अखंड और अकाट्य हिस्सा बनाने का शौर्य, इन सबको समेटते हुए एक शब्द में कहने की कोशिश की जाय तो सभी विडंबनाओं का कारण और प्रतीक कांग्रेस से भारत को मुक्त कराने का अभियान हाथ में लिए सतत आगे बढ़ रहे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी का 75 वां जन्मदिवस अर्थात् अमृत काल निस्संदेह भारत के लिए, हम भारतवासियों के लिए, भारतवंशियों के लिए अमृत की मानिंद ही है। इस अमृतकाल की हम सभी को अशेष शुभकामनाएँ। बहुत बधाई।

देश अब विडंबनाओं की झुलसाती कड़ी गर्मी से निकल शरत की तरफ बढ़ रहा है। शरद पूर्णिमा के इस अवसर के आसपास भारत अपनी स्वतंत्रता का अमृत वर्ष मना कर कुछ वर्ष पहले ही निकला है। यह भारतीय गणतंत्र का भी अमृत वर्ष है। हमें अपना संविधान आत्मार्पित किए अब 75 वर्ष पूरे हुए हैं। महान सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का संयोग, और इन सबके साथ-साथ कुलाँचे भरते हमारे युवा प्रदेश 'छत्तीसगढ़' के रजत जयंती वर्ष का अवसर भी हमें सौभाग्यशाली बना रहा है। अशेष शुभकामनाएँ। नवरात्र और दीपावली की भी आप सभी को गाड़ा-गाड़ा बधाई। अभिनंदन।

पंकज...

@pankaj_media

Email : jay7feb@gmail.com

इस संपादकीय के बारे में अपने विचार आप मेल कर सकते हैं।

राष्ट्र हेतु समर्पण की परंपरा के मजबूत धुरी भागवतजी

नरेंद्र मोदी

संघ प्रमुख परम पूज्य मोहन जी के जन्मदिवस पर विशेष

11 सितंबर का दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्म दिवस है, जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय डॉ. मोहनराव भागवतजी का जन्मदिन है। मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मेरा डॉ. मोहनराव भागवतजी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवतजी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तक 'ज्योतिपुंज' में मधुकररावजी के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ-साथ मधुकरराव जी जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी। मधुकररावजी का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि अपने पुत्र मोहनराव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे। एक पारसमणि मधुकरराव ने मोहनराव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी।

भागवतजी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्याग करके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। भागवत जी भी उस महान परपरा की मजबूत धुरी हैं।

भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक में अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख के रूप में डॉ. मोहनराव भागवतजी के कार्यों को आज भी कई स्वयंसेवक स्नेहपूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में डॉ. मोहनराव भागवतजी ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे। वर्ष 2000 में वे सरकार्यवाह बने और यहां भी भागवतजी ने अपनी अनोखी कार्यशैली से हर कठिन परिस्थिति को सहजता और सटीकता से संभाला। 2009 में वे सरसंघचालक बने और आज भी अत्यंत ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। भागवतजी ने राष्ट्र प्रथम की मूल विचारधारा को हमेशा सर्वोपरि रखा। सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तियों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि डॉ. मोहनराव भागवतजी ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है।

भागवतजी का युवाओं से सहज जुड़ाव है, इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं। श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने

भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया।

की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये डॉ. मोहनराव भागवतजी की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में भागवत जी का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए। कोरोना काल में डॉ. मोहनराव भागवतजी के प्रयास विशेष रूप से याद आते है। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुंचाई, जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया। हमें कई स्वयंसेवकों को खोना भी पड़ा, लेकिन भागवत जी की प्रेरणा ऐसी थी कि अन्य स्वयंसेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी।

इस वर्ष की शुरुआत में, मैंने नागपुर में उनके साथ माधव नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के दौरान मैंने कहा था कि संघ अक्षयवट की तरह है, जो राष्ट्रीय संस्कृति और चेतना को ऊर्जा देता है। इस अक्षयवटवृक्ष की जड़ें इसके मूल्यों की वजह से बहुत गहरी और मजबूत हैं। इन मूल्यों को आगे बढ़ाने में जिस समर्पण से डॉ. मोहनराव भागवतजी जुटे हुए हैं, वो हर किसी को प्रेरणा देता है। समाज कल्याण के लिए संघ की शक्ति के निरंतर उपयोग पर डॉ. मोहनराव भागवतजी का विशेष बल रहा है। इसके लिए उन्होंने पंच परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें स्व बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, कुटुम्ब प्रबोधन और पर्यावरण के सूत्रों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। देश और समाज के लिए सोचने वाले हर भारतवासी को पंच परिवर्तन के इन सूत्रों से अवश्य प्रेरणा मिलेगी। संघ का हर कार्यकर्ता वैभव संपन्न भारत माता का सपना साकार होते देखना चाहता है। इस सपने को पूरा करने के लिए जिस स्पष्ट विजन और ठोस एक्शन की जरूरत होती है, डॉ. मोहनराव भागवतजी इन दोनों गुणों से परिपूर्ण है।

डॉ. मोहनराव भागवतजी के स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वो मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है। डॉ. मोहनराव भागवतजी, हमेशा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। भारत की विविधता और भारत भूमि की शोभा बढ़ा रही अनेक संस्कृतियों और परंपराओं के उत्सव में भागवत जी पूरे उत्साह से शामिल होते हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि डॉ. मोहनराव भागवतजी अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रूचि रखते है।

डॉ. मोहनराव भागवतजी के स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वो मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है। डॉ. मोहनराव भागवतजी, हमेशा "एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। भारत की विविधता और भारत भूमि की शोभा बढ़ा रही अनेक संस्कृतियों और परंपराओं के उत्सव में भागवत जी पूरे उत्साह से शामिल होते हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि डॉ. मोहनराव भागवतजी अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रूचि रखते है। वे विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं। पठन-पाठन में उनकी रूचि, उनके अनेक भाषणों और संवादों में साफ दिखाई देती है।

पिछले दिनों देश में जितने सफल जन आंदोलन हुए चाहे स्वच्छ भारत मिशन हो या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, डॉ. मोहनराव भागवतजी ने पूरे संघ परिवार को इन आंदोलनों में ऊर्जा भरने के लिए प्रेरित किया। मैं पर्यावरण से जुड़े प्रयासों और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को जानता हूं।

डॉ. मोहनराव भागवतजी का बहुत जोर आत्मनिर्भर भारत पर भी है। कुछ ही दिनों में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष का हो जाएगा। यह भी सुखद संयोग है कि विजयादशमी का पर्व, गांधी जयंती, लालबहादुर शास्त्री की जयंती और संघ का शताब्दी वर्ष एक ही दिन आ रहे हैं। यह भारत और विश्वभर के लाखों स्वयंसेवकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास डॉ. मोहनराव भागवतजी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक युवा स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी जीवन यात्रा उनकी निष्ठा और वैचारिक दृढ़ता को दर्शाती है। विचार के प्रति पूर्ण समर्पण और व्यवस्थाओं में समयानुकूल परिवर्तन करते हुए उनके नेतृत्व में संघ कार्य का निरतर विस्तार हो रहा है। मैं मां भारती की सेवा में समर्पित डॉ मोहनराव भागवतजी के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की पुनः कामना करता हूं। उन्हें जन्मदिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं।

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पी

अमित शाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ दशकों से कार्य करते हुए मैंने यह अनुभव किया है कि उनका व्यक्तित्व एक राजनेता से कहीं बढ़कर राष्ट्रहित को समर्पित एक ध्येयनिष्ठ नेतृत्वकर्ता का है। ऐसे नेतृत्वकर्ता, जिनके नेतृत्व के मूल में राष्ट्र का उत्थान और जनता का कल्याण ध्येयवाक्य की तरह विद्यमान है।

17 सितंबर अनेक दुष्टि से महत्वपूर्ण है। आज के दिन सभी शिल्पकार बंधु व कामगार लोग हर्षोल्लास से विश्वकर्मा जयंती मनाते हैं। आज ही के दिन हैदराबाद को क्रूर निजाम और रजाकारों से मुक्ति मिली थी। और आज के ही दिन एक ऐसे जनसेवक का भी जन्म हुआ, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और देशवासियों को समर्पित कर दिया- हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी। मोदी जी का यह जन्मदिन विशेष है, क्योंकि यह उनका 75वां जन्मदिन है। मैं 140 करोड़ देशवासियों की ओर से मोदी जी को मनपूर्वक जन्मदिन की बधाई देता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि भारत के मजबूत भविष्य के निमित वे मोदी जी को लबी आयु, ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रदान करें।

मोदी जी का व्यक्तित्व केवल नीतियों और कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है। उनके भीतर एक विशेष करिश्मा है, जिससे वे सीधे जनता से जुड़ जाते हैं। उनकी वाणी में सहजता और सरलता का वह कौशल है, जो संवाद करते हुए उन्हें सीधे जनता के मन तक पहुंचा देता है। वे जब रेडियो पर 'मन की बात' करते हैं, तो करोड़ों लोग महसूस करते हैं कि प्रधानमंत्री सीधे उनसे संवाद कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ दशकों से कार्य करते हुए मैंने यह अनुभव किया है कि उनका व्यक्तित्व एक राजनेता से कहीं बढ़कर राष्ट्रहित को समर्पित एक ध्येयनिष्ठ नेतृत्वकर्ता का है। ऐसे नेतृत्वकर्ता, जिनके नेतृत्व के मूल में राष्ट्र का उत्थान और जनता का कल्याण ध्येयवाक्य की तरह विद्यमान है। मोदी जी के नेतृत्व की विशेषता है कि वे अपने शासन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि रखते हैं। समाज का कोई भी वर्ग और व्यक्ति विकास से वंचित न रहे, इस उद्देश्य के साथ नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन उनका जोर रहता है। उनकी सरकार में गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं न केवल शुरू हुई, अपितु सफलतापूर्वक अपने लक्ष्यों को प्राप्त भी कर रही हैं। हम देख सकते हैं कि जनधन योजना ने पचास करोड से अधिक लोगों को बैंकिग व्यवस्था से जोड़ते हुए वित्तीय समावेशन की नई इबारत लिखी है। उज्जवला योजना ने घर-घर तक धुंए से मुक्ति दिलाई, आयुष्मान भारत ने गरीबों को स्वास्थ्य की सुरक्षा दी, तो वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीब वर्ग को अपने घर का सपना पूरा करने का अवसर दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रूप में उन्होंने देश के अनेक हिस्सों में समाज के हर वर्ग के साथ संवाद किया। उनके तपस्वी जीवन का यह वह दौर था, जिसमें उन्होंने देश की आत्मा को नजदीकी से न सिर्फ देखा, बल्कि वह उसकी आंतरिक शक्ति से रूबरू हुए। उनका यह अनुभव उनकी शासन की नीति व कार्यशैली में गरीबों-वंचितों के प्रति संवेदना के रूप में परिलक्षित होता है। संघ के प्रचारक के रूप में ही मोदी जी ने संगठन कला के गुण सीखे और बाद में भाजपा के संगठन शिल्पी के रूप में उन्होंने संगठन कार्य को युगानुकूल बनाने के लिए अनेक सफल नवाचार और प्रयोग किए।

कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता से ही मजबूत नेतृत्व की पहचान होती है। इस मामले में मोदी जी की नेतृत्व क्षमता अलग ही लोहे से बनी है। बड़ी से बड़ी परिस्थितियों में भी वे असाधारण धैर्य और स्पष्ट दृष्टि रखते हैं। 2014 के बाद से ऐसे अनेक अवसर आए, जब देश को बड़े और कड़े निर्णयों की आवश्यकता थी। ऐसे सभी अवसरों पर मोदी जी ने नेतृत्व सूत्रों को पूरी दृढ़ता और कुशलता से थामे रखा और राष्ट्रहित के अनुरूप निर्णय लिए।

नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदमों ने आर्थिक सुधारों को गति देते हुए हमारी अर्थव्यवस्था में एक नया अध्याय जोड़ा। अनुच्छेद 370 का ऐतिहासिक उन्मूलन तो सदियों तक याद रखी जाने वाली घटना है। यह निर्णय केवल राजनीतिक साहस को ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति मोदी जी की अटूट आस्था को भी दर्शाता है। तीन तलाक जैसी सामाजिक कुरीति पर रोक लगाने का निर्णय

महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा का साहसिक कदम था। ये निर्णय आसान नहीं थे। इनमें से कई निर्णयों का विरोध भी हुआ, लेकिन मोदी जी कभी विचलित नहीं हुए। उनके भीतर यह दृढ़ विश्वास था कि यदि राष्ट्रहित में कोई कार्य आवश्यक है, तो उसे विरोध और आलोचना की परवाह किए बिना हर परिस्थिति में पूरा किया जाना चाहिए।

कोविड-19 जैसी महामारी ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। ऐसे कठिन समय में भी मोदी जी ने न केवल जनता को आश्वस्त किया, अपितु देश के उद्योगों, वैज्ञानिकों और युवाओं को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। यह हमारे नेतृत्व की कुशलता का ही कमाल था कि देश में न केवल रिकॉर्ड समय में वैक्सीन का निर्माण हुआ, अपितु तकनीक से संचालित निःशुल्क टीकाकरण अभियान के माध्यम से हमने दुनिया के सामने कोविड प्रबंधन का अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया। मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मसम्मान से कोई समझौता संभव नहीं। उरी हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब आतंकवाद का मूकदर्शक नहीं रहेगा। पुलवामा की घटना के पश्चात हुई बालाकोट एयर-स्ट्राइक ने इस संकल्प को और भी सुदृढ़ किया। हाल ही पहलगाम हमले के उत्तर में 7 मई 2025 को संचालित 'ऑपरेशन सिन्दूर' ने इस नीति को निर्णायक रूप से स्थापित किया कि जब-जब देश की अस्मिता और नागरिकों की सुरक्षा पर चोट पहुंचेगी, भारत पूरे साहस और दृढ़ता के साथ उसका प्रत्युत्तर देगा। विदेश नीति के क्षेत्र में भी मोदी जी की कार्यशैली अद्वितीय है। आज जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर खड़े होकर आत्मविश्वास से भारत का दृढ़ पक्ष रखते हैं, तो सबके भीतर गर्व की लहर दौड़ जाती है।

भारत की आंतरिक शक्ति की सही समझ रखने वाले मोदी जी का ही विजन है कि 2047 में जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण करे, तब हमारा देश 'आत्मनिर्भर भारत' और एक महान देश के रूप में पुनः विद्यमान हो, और इसकी पूर्ति के लिए वे अपनी दूरदर्शी नीतियों से देश को तेजी से इस दिशा में ले जा रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में उनके नेतृत्व में देश ने आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की नई ऊंचाइयां छुई है। वस्तुतः सच्चा नेतृत्व वही होता है, जो हर क्षण राष्ट्र को समर्पित हो और जिसकी दृष्टि वर्तमान से कहीं आगे भविष्य तक देखती हो। नरेंद्र मोदी जी का यही व्यक्तित्व आज भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। ।•••

नरेन्द्र मोदी : सेवा प्रथम भाव से ओतप्रोत नेतृत्व

शिवप्रकाश

नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाया है। वह एक मजबूत नेता हैं जो अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें भारत और विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय तनावों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के असाधारण नेतृत्व में भारत की विकास गाथा को देख पूरी दुनिया के रणनीतिकार न केवल आश्चर्यचकित हैं बल्कि आशावान भी है कि भविष्य में वैश्विक संकटों का समाधान भी भारत भूमि से ही प्रकट होगा। शांति काल, युद्ध काल या आपदा काल में समभाव बनाए रखते हुए जिस प्रकार से अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने सटीक तथा लक्षित रणनीति के साथ समाधान प्रस्तुत किये हैं, उसने वैश्विक स्तर पर भरोसा और दृढ़ किया है।

नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाया है। वह एक मजबूत नेता हैं जो अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें भारत और विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बनाया है। प्रधानमंत्री एक दूरदर्शी नेता हैं जो भारत के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं। मेक इन इंडिया जैसी अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की उन्होंने शुरुआत की है। जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करेंगी। जनता से मिले व्यापक समर्थन, लोकप्रियता और उनके व्यक्तित्व के अद्भुत प्रभाव ने उन्हें एक दृढ़ निश्चयी नेता बनाया है जो कठोरतम निर्णयों को भी सहज भाव में लागू करने में सक्षम हैं। नरेन्द्र मोदी का विराट व्यक्तित्व उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन का परिणाम है। उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है और उन्हें पार किया है, जो उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और संकल्प को दर्शाता है।

नरेन्द्र मोदी जी का आरंभिक जीवन गुजरात के एक छोटे से शहर वडनगर में बीता। पिता दामोदर दास मूलचंद मोदी और माता हीराबेन के परिवार में 17 सितंबर 1950 को उनका जन्म हुआ। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी और पिता चाय की एक दुकान चलाते थे। अपनी स्कूली शिक्षा वडनगर में पूरी की और बाद में उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और उन्होंने संघ के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। नरेन्द्र मोदी जी का पूरा जीवन निस्वार्थ सेवा भाव में ही गुजरा है और आज भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के शीर्ष पद पर विराजमान होने के बावजूद उनका यह भाव जीवंत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनमानस पर प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक है। उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल कई मायनों में अद्वितीय हैं। वह एक प्रभावी वक्ता हैं जो अपने शब्दों से लोगों को प्रभावित करते हैं। वह एक कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं। जनता के व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए कई साहसिक कदम उठाए हैं जिनमें जीएसटी और नोटबंदी प्रमुख है। इन आर्थिक सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद की है। जनता में उनके समर्थन और उनके प्रति अनुसरण के भाव को 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों में देखा जा सकता है जिन पर पूरे देश में उन्हें जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। "मन की बात" में गाँव के किसी साधारण श्रमिक की कहानी या कोविड-19 में फ्रंटलाइन वर्कर्स का अभिनंदन कर उन्होंने यह दिखाया कि हर योगदान मायने रखता है। कोविड-19 महामारी के कठिन समय में नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने केवल प्रशासनिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि भारतीय मन की गहराई को समझते हुए जनता का मनोबल बनाए रखा। जब भय और असुरक्षा का वातावरण था, तब उन्होंने सरल प्रतीकों और सांस्कृतिक जुड़ावों के माध्यम से लोगों में सामूहिक ऊर्जा जगाई। थाली और ताली

बजाने का आह्वान इस बात का उदाहरण था कि उन्होंने भारतीय समाज की उस प्रवृत्ति को पहचाना जहाँ किसी उत्सव या चुनौती में ध्वनि और प्रतीकात्मक कर्मकांड से एकता और संकल्प का संदेश मिलता है। यह ठीक वैसा ही था जैसा महात्मा गांधी ने चरखे को स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक बनाया था—साधारण कर्म से गहरा संदेश। "वोकल फॉर लोकल" जैसी पहल, हस्तशिल्प को वैश्विक मंच पर ले जाना और राज्य स्तरीय अनेक पहल को केंद्र की योजनाओं से जोड़ना इस सोच का उदाहरण हैं।

विश्व में वे एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं। राष्ट्र के हितों को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने जिस तरह के अमेरिकी टैरिफ मसले पर रणनीति अपनाई है, उसने पूरे विश्व को दिखा दिया है कि भारत राष्ट्र हित के विषयों पर किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। विभिन्न देशों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रधानमंत्री के पास एक अद्वितीय कौशल है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा था कि उन्हें लगता है कि मोदी 24 घंटे देश के लिए काम करते हैं। यह कथन उनकी असाधारण कार्यक्षमता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयासों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और जी- 20 जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को बुलंद किया है। उन्होंने आर्थिक कूटनीति पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे देश के व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है। उन्होंने सांस्कृतिक कूटनीति का उपयोग करके विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इसके अंतर्गत योग और आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है।

उम्र के सातवें दशक में होने के बावजूद वे टेक्नोलॉजी के मामले में आज के युवा की बराबरी करते हैं। नवाचारों पर उनका भरोसा है और उसे प्रोत्साहित करते हैं। यही वजह है कि एक दशक के उनके कार्यकाल में भारत विश्व में सबसे अधिक स्टार्टअप वाला देश बन गया है। संभवतः वह विश्व के एकमात्र नेता हैं जो सीधे जनता से संवाद करने में विश्वास रखते हैं। आकाशवाणी पर उनके मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' और विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' इसका सफल उदाहरण हैं। इन दोनों कार्यक्रमों का जनमानस पर व्यापक स्तर पर प्रभाव पड़ा है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 'ड्रोन दीदी' जैसी पहल जमीनी स्तर पर बदलाव लाने की इच्छा को दर्शाती हैं। इसके अतिरिक्त, 'नमो ऐप' के माध्यम से जनता को सीधे प्रधानमंत्री से जोड़ने और भारतीय डायस्पोरा को देश के विकास का हिस्सा बनाकर उन्होंने भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है।

गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरित मानस में राजा जनक के चरित्र का वर्णन करते हुए कहते हैं "अतुलित धन्य सिय राम के जाई। राजसभा बिनु सवद सुहाई। अर्थात राजा जनक राजा होते हुए भी एक संन्यासी की तरह जीवन जीते थे, और सांसारिक सुख-सुविधाओं की बजाय ज्ञान और वैराग्य को महत्व देते थे। लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में कठोर परिश्रम के सम्बन्ध में प्रश्न पूछने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "संतोष हमेशा देने के भाव की कोख से पैदा होता है।" प्रधानमंत्री श्री मोदी इसी कर्मयोगी भाव के जीते जागते उदाहरण हैं। गुजरात का मुख्यमंत्री होने के समय से ही वह एक अनुशासित और सरल जीवन जीने के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन अनुशासित और सरल रहा है। वह नियमित रूप से योग और ध्यान करते हैं और एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हैं। वह आध्यात्मिकता में विश्वास करते हैं। वह स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जैसे आध्यात्मिक नेताओं से प्रेरणा लेते हैं। उनका संन्यासी भाव उनके जीवन और कार्य में देखा जा सकता है।

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संस्कृति के अनन्य पुजारी हैं। वह भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं। वह अक्सर अपने भाषणों में भारतीय संस्कृति की महानता का उल्लेख करते हैं। वह कला भी को बढ़ावा देते हैं और कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों को प्रोत्साहित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संस्कृति के अनन्य पुजारी हैं। वह भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं। वह अक्सर अपने भाषणों में भारतीय संस्कृति की महानता का उल्लेख करते हैं। वह कला को भी बढ़ावा देते हैं और कलाकारों, संस्कृतिकर्मियों को प्रोत्साहित करते हैं। समय – समय पर वाद्य यंत्रों का वादन जैसे असम का सारिंदा, महाराष्ट्र में बंजारा संस्कृति से जुड़ा ढोल जैसा वाद्य यंत्र नांगरा, आदिवासी कलाकारों के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्र और उत्तराखंड के स्थानीय कलाकारों के साथ एक पारंपरिक वाद्य यंत्र उनकी संगीत के प्रति अभिरुचि को प्रकट करता है।

प्रधानमंत्री मोदी में एक साहित्यकार एवं कवि होने के कारण उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती हैं। उन्होंने कई पुस्तकें और कविताएं लिखी हैं जो उनके विचारों और अनुभवों को दर्शाती हैं। 2007 में नरेंद्र मोदी ने अपनी कविता-संग्रह की पुस्तक 'आंख आ धन्य छे' का विमोचन मुंबई में किया। इस अवसर पर उन्होंने शेखावत जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। कार्यक्रम में शेखावत जी ने कहा –

"जब मोदी जी ने मुझे पुस्तक विमोचन के लिए कहा, तो मुझे लगा वे मजाक कर रहे हैं। मैं विश्वास नहीं कर सका कि वे कविता भी लिखते हैं। मुझे खेद है, मोदी जी, मैंने सोचा नहीं था कि आपके भीतर इतना कोमल पक्ष भी है। आज मैं देख रहा हूँ कि आपका व्यक्तित्व कठोरता और कोमलता का अद्भुत संगम है।" ज्योतिपुंज पर परम पूजनीय मोहन भागवत जी का कहना कि " यह पुस्तक नहीं है, अनुभूति है" ज्योति पथ कविता संग्रह एवं "सेट ऑफ एक्जाम वारियर्स" परीक्षा सम्बन्धी उनकी पुस्तक सभी के लिए प्रेरणादायी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन राजनीति एवं समाज के लिए कार्य करने वाले सभी के लिए प्रेरणास्पद है। परमेश्वर उनको दीर्घायु प्रदान करे। ।•••

विकसित भारत के अगुआ हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

विष्णु देव साय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश विकसित भारत की उस यात्रा की ओर कदम बढ़ा चुका है, जिसमें 140 करोड़ नागरिकों के जीवन स्तर में गुणवत्ता आई है। समावेशी और सर्वस्पर्शी विकास की यह यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की संवेदनशीलता और समन्वयकारी नीतियों का परिणाम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गई है। हमारा चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंच चुका है और शुभांशु शुक्ला ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में तिरंगा लहरा दिया है। इस सफलता के पीछे देशवासियों की कड़ी मेहनत और हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और अथाह इच्छा शक्ति की विशेष भूमिका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव रहा है। मोदी जी छत्तीसगढ़ के संगठन के प्रभारी भी रहे हैं। छत्तीसगढ़ का कोई कोना नहीं, जिससे वे परिचित नहीं हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी मोदी जी ने छत्तीसगढ़ से अपना जुड़ाव बनाए रखा। मेरा सौभाग्य है कि मुझे प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्रीय इस्पात, खान, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अंत्योदय का जो स्वप्न देखा था, वह आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना, जनधन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा उज्जवला जैसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाओं के जरिए चरितार्थ हो रहा है। वर्ष 2014 में जब वे पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो लोग कहते थे कि मोदी है तो मुमकिन है। अब लोग कहते हैं कि मोदी है तो निश्चित है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए एमएमआरडी एक्ट में महत्वपूर्ण संशोधन किया। डीएमएफ के गठन से छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के पिछड़े क्षेत्रों को लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2015 में आधार को जन धन योजना और अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़कर डिजिटल इंडिया और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में भिलाई और अन्य स्टील प्लांट्स के आधुनिकीकरण और विस्तार शुरू हुआ। उनके प्रयासों से सेल के विभिन्न संयंत्रों में 72,134 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

मोदी जी के निर्णायक एवं साहसी नेतृत्व ने आतंकवाद के खिलाफ न्यू नार्मस् स्थापित किया है। ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को संदेश दिया है कि, भारत आतंक का जवाब तुरंत, सटीक और लगातार कार्यवाही से देगा। इसी तरह प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ सहित पूरा देश 'नक्सल-मुक्त' हो जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 फरवरी 2016 को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़, कुरुभाट में श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन का शुभारंभ किया था। उन्होंने 14 अप्रैल 2018 को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के जांगला में आयुष्मान भारत योजना के तहत पहले हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया। वे केवल योजनाएँ नहीं बनातें हैं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन तक लगातार निगरानी और मार्गदर्शन करते हैं। उनके व्यक्तित्व में संवेदनशीलता, समन्वय और संवाद का जो अद्भुत संगम है, वह उन्हें वैश्विक नेता बनाती है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप, विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए हमने 'छत्तीसगढ़ विजन डाक्यूमेंट' तैयार किया है। हमारा लक्ष्य अगले 5 वर्षों में राज्य की जीएसडीपी को दोगुना करना और 2047 तक इसे 6 लाख करोड़ से बढ़ाकर 75 लाख करोड़ रुपए

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में भिलाई और अन्य स्टील प्लांट्स के आधुनिकीकरण और विस्तार शुरू हुआ। उनके प्रयासों से सेल के विभिन्न संयंत्रों में 72,134 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

तक पहुंचाना है। इससे प्रति व्यक्ति आय में 10 गुना वृद्धि होगी। वर्ष 1853 से लेकर 2014 तक 161 साल में छत्तीसगढ़ में केवल 1100 रूट किलोमीटर रेल लाइन बिछाई गई। मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास पर पिछले 11 साल में 21 हजार करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं। जगदलपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर एयरपोर्ट के विस्तार से प्रदेश का हर हिस्सा देश और दुनिया से कनेक्ट हो गया है। पावर प्लांट, एक्सप्रेस-वे, रेल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर, नदी जोड़ो परियोजनाओं में निवेश कर हम प्रदेश के लिए एक मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर रहे हैं।

न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के मंत्र पर चलते हुए हमने पिछले डेढ़ साल में 350 बिजनेस रिफॉर्म्स किए हैं। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 से लेकर ई-ऑफिस प्रणाली तक सुशासन के नये आयाम स्थापित किए हैं। हमारी नई औद्योगिक नीति के कारण पिछले डेढ़ साल में 6.65 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले है।

हमारा देश डिजिटल क्रांति से मानवीय जीवन में बदलाव लाने बेहतरीन कहानियां लिख रहा है।

मोदी जी के निर्णायक एवं साहसी नेतृत्व ने आतंकवाद के खिलाफ न्यू नार्मस् स्थापित किया है। ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को संदेश दिया है कि, भारत आतंक का जवाब तुरंत, सटीक और लगातार कार्यवाही से देगा। इसी तरह प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ सहित पूरा देश 'नक्सल-मुक्त' हो जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 फरवरी 2016 को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़, कुरुभाट में श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन का शुभारंभ किया था।

इसके पीछे प्रधानमंत्री जी की "ईज ऑफ लाइफ तथा ईज ऑफ बिजनेस" जैसी संकल्पना है, जिसे हम रोजमर्रा के जीवन में साकार होते देखते हैं। एआई और डिजिटल फूटप्रिंट को मजबूती देते हुए हम नवा रायपुर में प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर यूनिट और पहला डेटा सेंटर पार्क स्थापित कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ इस वर्ष अपनी स्थापना का रजत महोत्सव मना रहा है। इसे हमने अपने राज्य निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की याद में 'अटल निर्माण वर्ष' घोषित किया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने राज्योत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इससे उनके उपस्थिति हम सभी को प्रेरित करेगी। आज किसी भी समस्या के समाधान के लिए विश्व भारत की ओर देखता है, यह वसुधैव कुटुम्बकम् के मंत्र पर चलने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता का परिणाम है। हम सभी छत्तीसगढ़वासी अपेक्षा करते हैं कि उनका स्नेह और मार्गदर्शन हमें मिलता रहे। उनके नेतृत्व में देश और छत्तीसगढ़ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहे। ।•••

भारत के लिए वरदान हैं प्रधानमंत्री मोदी जी

डॉ. रमन सिंह

मोदी जी के हृदय में सदैव गरीबों, वंचित और किसानों का कल्याण रहा है। पीएम के रूप में भी उनका छत्तीसगढ़ प्रवास लगातार बना रहा। चुनावी दौरों के अलावा वे कुल छः बार अनेक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ आये और हर बार मोदी जी ने अपनी यात्रा से प्रदेश के जनमानस पर अमिट छाप छोड़ी है।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्थक जीवन के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। अलग-अलग दायित्व में काम करते हुए दर्जनों बार मोदी जी से लगभग तीन दशक से अपना प्रत्यक्ष संपर्क है। अनेक बार उनका छत्तीसगढ़ आना हुआ है, मुझे भी दिल्ली, गुजरात समेत देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक कार्यकमों में जाना हुआ जहां उनसे मुलाकात हुई, लगातार अनेक विषयों पर, ख़ास कर समाज के वंचित तबकों के कल्याणार्थ, उनके लिए कुछ बेहतर कर जाने की साझा चिंता हमें बार-बार एक-दुसरे को करीब लाती रही है। मुझे खासकर याद आ रहा है 10 अप्रैल 2014 का वह दिन जब लोकसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प्रचार कार्य संपन्न कर मैं दिल्ली गया था। दिल्ली पहुंचते ही अहमदाबाद के मुख्यमंत्री निवास से फोन आया, मोदी जी ने गुजरात आ जाने का आग्रह किया। मैं तुरंत गुजरात रवाना हो गया, मुख्यमंत्री निवास में मोदी जी से लगभग 2 घंटा विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

हालांकि चुनाव परिणाम आने में तब काफी समय शेष था लेकिन हम बात करते हुए लगातार यही महसूस कर रहे थे कि भारत के भावी प्रधानमंत्री से हम उनके सपनों, उनकी योजनाओं और देश के लिए कुछ कर गुजरने की आकांक्षाओं पर बातचीत कर रहे हैं। सीएम निवास का माहौल भी ऐसा लग रहा था मानो सभी स्टाफ अब दिल्ली जाने के तैयारी कर रहे हैं, मानो चुनाव परिणाम आना सबके लिए महज़ औपचारिकता ही हो। देश के लिए बड़ी-बड़ी बातों के बीच मोदी जी ने उस दिन यह भी कहा कि उन्होंने बड़ोदरा में एक बस स्टैंड बनाया है और ऐसा ही बस स्टैंड रायपुर में भी बनता तो अच्छा होता। मोदी जी की कल्पना के अनुरूप भव्य बस स्टैंड अब रायपुर में बनकर जल्द ही फिर तैयार हुआ। बड़ी-बड़ी बातों के बीच भी छोटी से छोटी चीज़ों को ध्यान रखना, और कठिन संघर्षों के बाद परिणाम को लेकर आत्मविश्वास तथा निश्चिंतता ही मोदी जी को किसी भी अन्य व्यक्ति से अलग करता है। दृढ़ संकल्प, समावेशी सोच, आपदा में अवसर देखने की कार्यशैली के कारण वे आज विश्व पटल पर दैदीप्यमान नक्षत्र की भांति चमक रहे हैं।

मोदी जी के हृदय में सदैव गरीबों, वंचित और किसानों का कल्याण रहा है। पीएम के रूप में भी उनका छत्तीसगढ़ प्रवास लगातार बना रहा। चुनावी दौरों के अलावा भी वे अनेक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ आये और हर बार मोदी जी ने अपनी यात्रा से प्रदेश के जनमानस पर अमिट छाप छोड़ी है। 2016 में जब वे स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करने डोंगरगढ़ आये थे, तब जब उन्हें बताया गया कि धमतरी जिले की वृद्धा कुंवर बाई ने बकरी बेचकर शौचालय बनाया है, तो उन्होंने बेहद भावुक कर कुंवर बाई के पैर छू लिये। इसी तरह जावांगा (बस्तर) में अपने हाथ से बुजुर्ग महिला को पादुका पहनाना हो या फिर वेलनेस सेंटर के उदघाटन के समय दिव्यांग बच्चों के साथ बैठ कर कुर्सी को ही ठोक कर संगीत बजाना, नया रायपुर के जंगल सफारी में बाघ के साथ फोटोशेसन... हर बार मोदी जी ने अपनी सहजता-संवेदनशीलता से प्रदेश में इतिहास रच दिया।

मोदी जी का हर प्रवास अपने आपमें एक ऐसा वैशिष्ट्य रच गया जिसे हमेशा स्मरण रखा जाएगा। साहस भी उनका ऐसा कि धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र जावंगा से दंतेवाड़ा तक की यात्रा उन्होंने हेलीकाप्टर छोड़ कर सड़क मार्ग से करना तय किया था। बात चाहे मुख्यमंत्री के रूप में चावल योजना की शुरुआत करने छग आने की हो या विकास यात्रा के दौरान अम्बिकापुर प्रवास की जहां उनके आगमन पर प्रदेश भाजपा ने लाल किला की प्रतिकृति बनाया था, चुनाव प्रचारों के दौरान राजनीतिक प्रवास हो या फिर अभिषेक की शादी में बाराती के रूप में पारिवारिक यात्रा पर, हर बार वे आये और उन्होंने सज्जनता और संवेदनशीलता से नयी गाथा रच डाली। इससे पहले भी चाहे जब वे संगठन महामंत्री थे तब अशोका रोड में मिलना हुआ हो, या फिर मुरलीमनोहर जोशी जी के नेतृत्व में श्रीनगर लाल चौक के लिए निकले तिरंगा यात्रा के प्रभारी के रूप में उनसे जम्मू में मुलाक़ात हो, सारा का सारा वाकया

आज मानस पटल पर किसी चलचित्र की भांति स्मारित हो रहा है।

मोदी जी ने मजबूत राष्ट्र की संकल्पना को पूरा करने का उदाहरण सर्जिकल स्ट्राइक करके दिया, चीन अब आंखें नहीं दिखाता। दुनिया जान गई है यह नया भारत है। कश्मीर से धारा 370 और 35ए की समाप्ति कर उन्होंने श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी के सपने को पूरा किया। उनके प्रयासों से पूर्वोत्तर राज्यों के साथ कश्मीर भी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में विदेशों में भी भारत का डंका बजा, कई देशों से आज भारत ने जो मजबूत संबंध स्थापित किया है, उसमें प्रधानमंत्री जी का संवाद, साझेदारी और सक्रियता का योगदान प्रमुख है। वर्षों से शोषण की शिकार हो रही मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर उन्होंने एक कुप्रथा का अंत कर दिया। वहीं, आयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने पर आज प्रभु श्रीराम का हर भक्त आपको साधुवाद दे रहा है।

नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री की कमान संभालने के बाद भाजपा का भी ऐतिहासिक विस्तार हुआ। पुर्वोत्तर से पश्चिम और दक्षिण भारत तक में पार्टी ने अकल्पनीय उपलब्धियां हासिल की। एक-एक कर पार्टी ने देश के 19 राज्यों में परचम फहरा दिया। इसके साथ ही उन्होंने देश को नए सिरे से गढ़ना प्रारंभ किया। पहली बार जब 15 अगस्त के दिन लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित कर रहे थे और देश में स्वच्छता अभियान की शुरुआत करने का एलान कर रहे थे तो लोगों को लगा कि यह असंभव है लेकिन जैसे-जैसे यह अभियान आगे बढ़ता गया यह आंदोलन का रूप लेता गया और आज यह लोगों की आदत में आ गया है। मोदी जी की प्रत्येक योजना के पीछे एक दूरदर्शी सोच होती है, उनकी योजनाओं का प्रभाव कहां तक पड़ेगा वह सिर्फ वहीं जानते हैं, चाहे वह उज्ज्वला योजना हो, आत्म निर्भर भारत हो, आयुष्मान भारत योजना हो, अटल पेंशन योजना हो, या अन्य योजना .. शुरुआत में असंभव सी लगती इन योजनाओं ने बाद में कीर्तिमान रचा है।

मोदी जी के नेतृत्व में आज देश आत्म निर्भर बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी ने "सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" का मूलमंत्र देकर भारत के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास को ले जाने का काम किया है। 80 करोड़ गरीबों को राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्जवला जैसी योजनाएं बनाकर देशवासियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया। किसान सम्मान निधि योजना, बीमा योजना, कृषि अधोरंचना एवं विभिन्न फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी कर अन्नदाताओं के चेहरे पर मुस्कान ला दी।

जब पूरी दुनिया के साथ भारत में भी कोरोना संकट गहराया तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकटमोचक बनकर देश को बचा लिया। विपरीत परिस्थितियां होने के बाद भी सभी राज्यों को ऑक्सीजन, दवाई, वेंटीलेटर आदि की व्यवस्था की। उनकी ही सजगता का परिणाम था कि देश ने इतने कम समय में दो स्वदेशी कोरोना वैक्सीन का निर्माण कर लिया और आज 75 करोड़ देशवासियों को फ्री वैक्सीन लगवाई जा चुकी है। कोरोना औऱ लॉकडाउन में कई आर्थिक चुनौतियां होने के बाद भी लाखों करोड़ का पैकेज दिया, स्ट्रीट वेंडर, फ्री राशन जैसी कई योजनाएं चलाई जिससे देशवासियों के जीवन की गाड़ी पटरी पर लौट सके। मुश्किलों से देश को कैसे बाहर निकाला जा सकता है, यही मोदी जी ने कर दिखाया। मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाकर उन्होंने बता दिया देश मजबूत औऱ सही हाथों में है।

इक्कीसवीं सदी में उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत के पास नरेंद्र भाई दामोदादर दास मोदी के रूप में एक इतना सशक्त नेतृत्व होना वास्तव में इश्वर का दिया किसी वरदान से कम नहीं है। आज मोदी जी के करिश्माई, दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नेतृत्व में देश अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छू रहा है। वे सवा सौ करोड़ से अधिक देशवासियों की उम्मीद, आशा और विश्वास हैं।

प्रदेश का रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा का भी रजत वर्ष है। इस अवसर पर नये विधानसभा भवन का लोकार्पण मोदी जी के हाथों होना भी प्रदेश के लिए प्रसन्नता की बात है। जन्मदिन पर उन्हें अशेष शुभ कामना और भारत के पुरा वैभव की पुनर्स्थापना के महान यज्ञ को इस बेहतर और पुनीत तरीके से संपादित करने के लिए उन्हें शेष अभिनन्दन भी! ।•••

अब नए सपने बुनने नव संकल्प लेने का समय

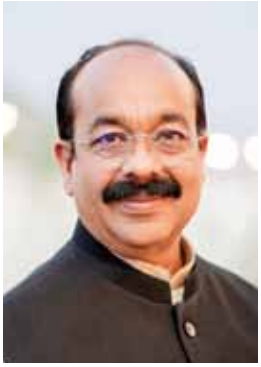

अरुण साव

मोदी जी चुनिंदा ऐसे प्रधानमंत्रियों में से हैं, जिन्हें लम्बे समय तक मुख्यमंत्री के रूप में भी काम करने का अनुभव है, इस नाते वे प्रदेश की शासन व्यवस्था और उसकी चुनौतियों को भी बेहतर समझते हैं। इसी कारण प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने केन्द्रीय मद से राज्यों को मिलने वाले अंश को 32 प्रतिशत से बढ़ा कर सीधे 42 प्रतिशत कर दिया था, अर्थात एक तिहाई से भी अधिक की वृद्धि।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पुनः छत्तीसगढ़ पधार रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद या उससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए या फिर संगठन के कार्य से भी जब भी मोदी जी का प्रवास छत्तीसगढ़ में हुआ वह न केवल संगठन के लिए बल्कि प्रदेश के लिए भी शुभ रहा है। हर बार एक नया सन्देश, कुछ नए संकेत, एक नया विजन देकर हमें गए हैं। बात चाहे विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना को छत्तीसगढ़ के बीजापुर स्थित जांगला गांव से शुरुआत कर आदिवासी अंचल को विश्व पटल पर स्थान दिलाने की हो या फिर रुर्बन मिशन समेत अन्य ऐसी अनेक योजनाओं के लिए विशेषकर छत्तीसगढ़ को चुनने की, या बकरी बेच कर शौचालय बनाने वाली सौ वर्षीय वृद्ध माता कुवर बाई के चरणों में झुक कर स्वच्छता का सन्देश देने की आदिवासी महिला को अपने हाथों से पादुका पहनने की... हर बार मोदी जी न केवल अपनी विशिष्ट छाप छोड़ गए हैं, अपितु जन कल्याण की अनेक सौगातों से अंचल को समृद्ध भी करते रहे हैं।

मोदी जी चुनिंदे ऐसे प्रधानमंत्रियों में से हैं, जिन्हें लम्बे समय तक मुख्यमंत्री के रूप में भी काम करने का अनुभव है, इस नाते वे प्रदेश की शासन व्यवस्था और उसकी चुनौतियों को भी बेहतर समझते हैं। इसी कारण प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने केन्द्रीय मद से राज्यों को मिलने वाले अंश को 32 प्रतिशत से बढ़ा कर सीधे 42 प्रतिशत कर दिया था, अर्थात एक तिहाई से भी अधिक की वृद्धि। केवल एक इस निर्णय से ही राज्यों के पास कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त अतिरिक्त फंड मिलने लगे थे। बात चाहे केन्द्रीय पूल में चावल खरीद कर छत्तीसगढ़ में दाना-दाना धन खरीदे जाने का मार्ग प्रशस्त करने की हो, इस मद में लाखों करोड़ रुपया देने की या फिर किसान सम्मान निधि के रूप में रूप में प्रदेश के 38 लाख से अधिक किसानों के खाते में हजारों करोड़ रुपये से अधिक भेजने की, ऐसी अनेक योजनाओं का उदाहरण आप दे सकते हैं जिसमें छत्तीसगढ़ एक बड़ा लाभार्थी बन उभरा है, जहां अत्यधिक उदारता के साथ प्रधानमंत्री जी ने छत्तीसगढ़ की सहायता कर अटल जी द्वारा निर्मित इस प्रदेश पर अपना प्यार बरसाया है।

बात केवल छत्तीसगढ़ की ही नहीं है, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ऐतिहासिक कार्यकाल का यह 11 वर्ष समूचे देश के लिए 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के वर्ष के रूप में सदियों तक याद किए जाते रहेंगे। मोदी जी के शासन का यह कालखंड हिंदुस्थान के पुनर्जागरण का काल है। यह हमारी चेतना में राष्ट्रीय सरोकारों के समाहित होने का कालखंड है। यह उस संकल्प के सिद्ध होने का कालखंड है, जिस संकल्प को हमारे डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे मनीषियों ने लिया था। जिस संकल्प को लेकर कभी डा. मुखर्जी ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिस संकल्प को लेकर अटल-आडवाणी जी ने अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ की थी। जिस सांस्कृतिक ऐक्य की भावना को मन में पाथेय की तरह बांध कर कभी सोमनाथ से अयोध्या जी की ओर हमारी यात्रा निकल पड़ी थी।

आज एक देश में एक निशान, श्री राम जन्मभूमि पर भव्यतम मंदिर निर्माण प्रारम्भ होने, समान नागरिक आचार संहिता पर विमर्श प्रारंभ होने अथवा तीन तलाक़ जैसी कुरीतियों के विसर्जन के साथ हम यह कह सकते हैं कि इन 11 वर्षों में हमारे वे सारे संकल्प सिद्ध हो गए, जिसे लेकर कभी हमारे वीर सावरकर ने दो-दो आजन्म कारावास की सजा पायी थी, जिसे लेकर कभी विनायक दामोदर कोल्हू में जोत दिए गए थे। यह कालखंड आसेतु हिमाचल राष्ट्र के पुरा गौरव के पुनर्स्थापना का यह कालखंड है। यह समय भुला दिए गए उस युग को फिर से स्मरण करने का है, जब हमारे शौर्य की गाथाएं समुद्र पार तक सुनी जाती थी।

राष्ट्र सेवा में लिए गए सभी पुराने संकल्पों की सिद्धि हो जाने, भाजपा और पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के तीन बड़े मुद्दों के, कोर इशू के हल हो जाने के

उपरांत यह समय अब नये-नये संकल्पों के साथ, नया लक्ष्य लेकर, नए सपने सजा कर, नयी-नयी उपलब्धियों को प्राप्त करने में स्वयं को झोंक लेने का है। यह सुनहरा युग अब नयी-नयी आशाओं-अभिलाषाओं के साथ स्वयं को जोड़ लेने का है। यह समय मोदी जी के ऐतिहासिक नेतृत्व में भारत का विश्वगुरु के रूप में फिर से स्थापित कर देने का है। यह समय धर्मसंस्थापनार्थाय एकजुट हो जाने का है।

यह समय उस विकास यात्रा, विजय यात्रा को निरंतरता प्रदान करने का है, जिसकी शुरुआत 2014 में हुई थी। मोदी जी के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में बात करने से पहले स्वयं से पूछिए कि कहीं सड़क पर चलते हुए एक कचरा अगर आपके हाथ में हो, तो आप क्या सोचते हैं? निश्चित ही आप पहले तो स्वयं की अंतरात्मा से लड़ेंगे उसे फेकते हुए, बल्कि आसपास देखना भी शुरू करेंगे कि कोई आपको देख तो नहीं रहा है। आज भारत की सवा अरब आबादी में से शायद ही कोई कहता हो कि कचरा वाला आया है, अब गाने गाए जाते हैं – 'गाड़ी वाला' आया घर से कचरा निकाल। श्रमवीरों के प्रति आदर का यह नया युग भी आया है। यहां नव संसद भवन के लोकार्पण में भी आदर के साथ उन श्रमवीरों को पहले याद किया गया, सम्मान दिया गया जिन्होंने लोकतंत्र के उस मंदिर निर्माण में पसीना बहाया है। आज हम दिव्यांग व्यक्ति को अतिरिक्त स्नेह से देखते हैं, जब मोदी जी ने कहा होगा कि देश में कोई विकलांग नहीं होगा, तो तब इस बात का महत्व नहीं समझ पाए होंगे हम, एक शब्द का परिवर्तन भी कैसे हमारे मानस को बदल देता है, इस चमत्कार को हमने देखा है।

दशकों के पाश्चात्य विचारों पर आधारित शासन में हम में एक हीनग्रंथि रोप दी गयी थी। हिंदू कहलाने में ऐसा लगता था मानो कोई अपराध कर रहे हों हम, छद्म धर्मनिपेक्षता का शिकार होकर अपना गौरव ही भूल गए थे, कम्युनिस्ट विचारधारा से प्रभावित शासकों ने हममें आत्महीनता का संक्रमण कर दिया था। इन तमाम विडंबनाओं से पार पा कर भारत आज फिर से उठा खड़ा हुआ है। पिछले 11 वर्ष में देश ने अंगराई ली है। भारत का सोया स्वाभिमान और आत्मसम्मान आज भाजपा के शासन में जगा है और दुनिया हमारी ताकत को आज आदर से देख रही है। विश्व आज अपनी अधिकांश समस्या के लिए हमारी तरफ अगर उम्मीद से देख रहा है, तो निस्संदेह इसका श्रेय मोदी जी की सरकार को जाता है। अगर रूस जैसी महाशक्ति और यूक्रेन जैसा देश जो एक-दूसरे के दुश्मन हैं, और दोनों अगर शांति के लिए हमारी तरफ देख रहे हो, आज अगर सारे प्रोटोकोल तोड़कर कोई राष्ट्राध्यक्ष मोदी जी के चरणों में झुक जाता है, तो समझिए भारत ने आज क्या पाया है। ब्रिटेन यात्रा की दौरान जैसा कि वहां के प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा था – दुनिया में एक ही सूर्य हैं, एक ही चन्द्रमा हैं और एक ही मोदी हैं।

भारत की प्रगति और उन्नति का यही संदेश लेकर, धर्म संस्थापनार्थाय पिछले 11 वर्ष में हुए कार्यों का ब्यौरा देने, 11 वर्ष में भारत में हुए नव निर्माण का छत्तीसगढ़ को स्मरण कराने मोदी जी का रायपुर आना हम सबके लिए अतिरिक्त उत्साह का विषय है। अटल नगर नवा रायपुर के ऐतिहासिक साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाली मोदी जी की जन सभा निश्चित ही छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय के रूप में रूप में अंकित होगा, इस विश्वास का पर्याप्त कारण मोदी जी के व्यक्तित्व, उनके कृतित्व और छत्तीसगढ़ के प्रति उनके स्नेह से मिलता है। ।•••

राष्ट्र सेवा हेतु लिए गए सभी पुराने संकल्पों की सिद्धि हो जाने, भाजपा और पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के तीन बड़े मुद्दों के, कोर इशू के हल हो जाने के उपरांत यह समय अब नये-नये संकल्पों के साथ, नया लक्ष्य लेकर, नए सपने सजा कर, नयी-नयी उपलब्धियों को प्राप्त करने में स्वयं को झोंक लेने का है। यह सुनहरा युग अब नयी-नयी आशाओं-अभिलाषाओं के साथ स्वयं को जोड़ लेने का है। यह समय मोदी जी के ऐतिहासिक नेतृत्व में भारत का विश्वगुरु के रूप में फिर से स्थापित कर देने का है। यह समय धर्मसंस्थापनार्थय एकजुट हो जाने का है।

मोदीनॉमिक्स
विकसित भारत की यात्रा

ओ.पी. चौधरी

2014 में नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के समग्र आर्थिक विकास के लिए चरणबद्ध तरीके से कई ठोस कदम उठाए गए। वर्ष 2015 में भारत की अर्थव्यवस्था 2.1 ट्रिलियन डॉलर की थी और 2025 में यह बढ़कर 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई । इन दस वर्षों में कोरोना महामारी के दो कठिन और चुनौतीपूर्ण वर्ष भी शामिल हैं। इस महामारी ने दुनिया की मजबूत अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर कर दिया, लेकिन भारत ने उस कठिनाई का सामना मजबूती से किया।

विकास की आकांक्षाओं से भरे भारत ने स्वतंत्रता के बाद आर्थिक नीतियों में कई रास्ते तलाशे, परंतु शुरुआती दौर में जवाहरलाल नेहरू की संरक्षणवादी नीतियों ने देश को ठहराव की ओर जकड़कर रखा। उनका आर्थिक दर्शन पूरी तरह विफल रहा और भारत को दशकों तक कृत्रिम रूप से रोके रखा। दुर्भाग्य से, इंदिरा गांधी ने भी इन्हीं नीतियों को और सख्ती से आगे बढ़ाया, "लाइसेंस राज" की जकड़न और अत्यधिक राष्ट्रीयकरण ने उद्यमिता और प्रतिस्पर्धा को लगभग कुचल दिया था। परिणामस्वरूप, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक मंच पर पिछड़ती रही।

दुनिया के बड़े-बड़े देशों ने समय रहते यह सच्चाई स्वीकारा कि संरक्षणवाद किसी भी अर्थव्यवस्था को टिकाऊ विकास नहीं दे सकता। रूस की संरक्षणवादी नीतियों ने उसकी अर्थव्यवस्था को बर्बादी की ओर धकेला, जबकि चीन, वियतनाम, और ताइवान जैसे देशों ने समय रहते अपने मॉडल को उदार और बाज़ारोन्मुखी बनाया। इसी क्रम में भारत ने 1991 में प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिंह राव के नेतृत्व में आर्थिक उदारीकरण अपनाया, जो एक मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा व ऊर्जा प्रदान की।

सन् 2004 से 2014 का दशक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व का दौर था। यह वही मनमोहन सिंह थे जिन्होंने 1991 में वित्त मंत्री रहते हुए देश में ऐतिहासिक सुधारों को लागू किया था। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद वे न तो जीएसटी जैसे बड़े सुधार आगे बढ़ा पाए और न ही आधार जैसी ढाँचागत पहलों को निर्णायक रूप दे पाए। इसकी सबसे बड़ी वजह थी राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव। उस समय का शासन पूरी तरह रीमोट कंट्रोल पर चलता था, जहाँ निर्णय प्रक्रिया पर राजनीतिक प्रभाव प्रमुख था और प्रधानमंत्री केवल नाम मात्र के मुखिया बनकर रह गए थे। नतीजतन, नीति-निर्माण में ठहराव आ गया और 2004 से 2014 के बीच भारत दुनिया की चार सबसे अस्थिर एवं कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा था। जिससे देश की वैश्विक साख और आर्थिक प्रगति दोनों को गहरी चोट पहुँची।

सन् 2004 से 2014 के दौरान भारत को अक्सर फ्रैजाइल फाइव अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था| लेकिन 2014 के बाद स्थिति बदलनी शुरू हुई। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की और वैश्विक मंच पर अपनी साख मज़बूत की। 2014 में भारत जहाँ दुनिया की दसवीं अर्थव्यवस्था था, वहीं 2024 तक वह चौथे स्थान पर पहुँच गया, और अब अपने तीसरे कार्यकाल में तीसरे स्थान की ओर तेज़ी से अग्रसर है।

2014 में नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के समग्र आर्थिक विकास के लिए चरणबद्ध तरीके से कई ठोस कदम उठाए गए। वर्ष 2015 में भारत की अर्थव्यवस्था 2.1 ट्रिलियन डॉलर की थी और 2025 में यह बढ़कर 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई । इन दस वर्षों में कोरोना महामारी के दो कठिन और चुनौतीपूर्ण वर्ष भी शामिल हैं। इस महामारी ने दुनिया की मजबूत अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर कर दिया, लेकिन भारत ने उस कठिनाई का सामना मजबूती से किया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन, उनके दृढ़ संकल्प और देश की जनता के सहयोग से संभव हुआ।

सितंबर 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्देश्य भारत को निवेश, निर्माण और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाना था। इस पहल ने रक्षा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित किया। इसके बाद सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना की शुरुआत की। यह योजना सीधे-सीधे उत्पादन बढ़ाने और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित थी। आज मोबाइल फोन निर्माण में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में है। जहाँ 2014 से पहले भारत ज्यादातर मोबाइल आयात करता था, वहीं अब वह निर्यातक देशों की सूची में शामिल

है। 2014 में जहाँ केवल 2 मोबाइल निर्माण इकाइयाँ थीं, आज पूरे देश में 300 से अधिक इकाइयाँ हैं। इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के उत्पादन में भी भारत ने वैश्विक पहचान बनाई है।

ज्ञान-आधारित विश्व की आवश्यकताओं के अनुरूप नई सोच को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2016 में स्टार्टअप इंडिया योजना की शुरुआत की गई। जून 2024 तक लगभग 1 लाख 40 हजार स्टार्टअप को मान्यता मिली। इन स्टार्टअप ने तकरीबन 15.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं। ई-कॉमर्स, फिनटेक, एग्रीटेक और हेल्थटेक के क्षेत्र में भारत दुनिया के अग्रणी नवाचार केंद्रों में गिना जाने लगा है। यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ी है और भारत अब केवल आईटी सेवा निर्यातक नहीं, बल्कि नवाचार-आधारित स्टार्टअप हब बन चुका है।

पिछले दस वर्षों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं के माध्यम से गरीबों तक 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुंचाई गई। 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। डिजिटल लेनदेन के मामले में भारत अब दुनिया का सबसे अग्रणी देश है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 24 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण दिए गए हैं। इससे 43 करोड़ से अधिक लोगों को उद्यमिता की ओर बढ़ने का अवसर मिला। 2011-12 में गरीबी दर करीब 22 प्रतिशत थी जो घटकर केवल 3 प्रतिशत रह गई है। करोड़ों लोग गरीबी से बाहर आए हैं और उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

सन् 2004 से 2014 के बीच यूपीए सरकार का कार्यकाल भविष्य के डिफॉल्ट और एनपीए खातों के लिए एक ब्रीडिंग ग्राउन्ड साबित हुआ। इस दौरान बिना किसी स्थिरता जांच के बड़े कॉर्पोरेट घरानों को ऐसे ऋण दिए गए जिनकी वापसी की संभावना संदेहास्पद थी, और इसी कारण भारत के सबसे बड़े कॉर्पोरेट डिफॉल्ट और एनपीए इसी कार्यकाल में सामने आए। मार्च 2008 तक सरकारी बैंकों का कुल बकाया ऋण लगभग 18 लाख करोड़ था, लेकिन यूपीए-2 के शासनकाल में बिना किसी सावधानी के जारी किए गए भारी ऋणों के कारण यह मार्च 2014 तक बढ़कर लगभग 52 लाख करोड़ तक पहुँच गया।

मोदी सरकार ने कॉर्पोरेट डिफॉल्ट और एनपीए जैसी समस्याओं से निपटने के लिए इन्सॉल्वेंसी और बैंकक्रप्सी कोड (आईबीसी) लागू किया, जिससे बैंकों के फंसे हुए कर्ज की वसूली प्रक्रिया आसान हुई। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों नए बैंक खाते खोले गए, जिससे वित्तीय समावेशन की दिशा में क्रांति आई। बैंक विलय और पूंजी निवेश के माध्यम से बैंकों की वित्तीय सेहत सुधरी। विदेशी कंपनियों के एकाधिकार को खत्म करने और डिजिटल भुगतान को सस्ता बनाने के लिए मोदी सरकार ने 'रुपे कार्ड' और 'भीम' यूपीआई जैसी स्वदेशी भुगतान प्रणालियाँ शुरू कीं, जिससे लेन-देन की लागत घटी और आम आदमी व व्यापारियों को सस्ते और तेज भुगतान का लाभ मिला। परिणामस्वरूप आज बैंकिंग सेक्टर मजबूत स्थिति में खड़ा है और उद्योगों को ऋण देने में सक्षम हुआ है।

पहले भारत की कर व्यवस्था बेहद जटिल थी। हर राज्य में अलग-अलग नियम और कर थे, जिसके परिणाम स्वरूप वस्तुएँ महंगी होती थीं और वित्तीय भार आम आदमी पर पड़ता था। मोदी सरकार ने इस समस्या को दूर किया और गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) लागू किया, जो

"वन नेशन, वन टैक्स" की दिशा में पहला बड़ा कदम था। जीएसटी से कर प्रणाली सरल हुई, व्यापार सुगम हुआ और भ्रष्टाचार व टैक्स चोरी पर अंकुश लगा। अब सरकार ने जीएसटी 2.0 सुधार लागू कर दिए गए हैं। जिसके तहत दर संरचना को और सरल बनाया गया है, छोटे व्यवसायों के लिए अनुपालन प्रक्रिया आसान हुई है, और डिजिटल निगरानी को मजबूती मिली है। इसके परिणामस्वरूप कारोबार सुगम होगा और पारदर्शी कर प्रणाली वैश्विक निवेश के लिए आकर्षण बनेगी। ईमानदार करदाताओं के प्रयासों को सम्मानित करने के उद्देश्य से, आयकर व्यवस्था को भी सरल बनाया गया है। इस सरलीकरण के तहत, डायरेक्ट टैक्स रिबेट के माध्यम से 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को बड़ी राहत दी गई है। इस प्रत्यक्ष लाभ ने मध्यमवर्गीय परिवारों की क्रय शक्ति में स्पष्ट वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप देश में उपभोग का माहौल बना है।

मोदी जी ने न केवल घरेलू आर्थिक सुधारों में अग्रणी भूमिका निभाई है, बल्कि वैश्विक दक्षिण के लिए बुलंद स्वर बनाकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। मोदी सरकार ने आर्थिक नीतियों को वैश्विक कूटनीति से भी जोड़ा। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना, जिससे महँगाई पर नियंत्रण में मदद मिली और घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिली। जनवरी 2023 में 'वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' की मेज़बानी की गई, जिसमें 125 देशों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, जी20 अध्यक्षता और क्वाड जैसी पहलों ने मोदी सरकार को वैश्विक आर्थिक विमर्श के केंद्र में स्थापित किया। इन पहलों ने मोदी सरकार को विकासशील देशों के लिए भरोसेमंद भागीदार और विश्व मंच पर जिम्मेदार नेतृत्व के रूप में स्थापित किया है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'मोदीनॉमिक्स' का सफर अभी जारी है। आज भारत के पास विकसित भारत बनने का एक स्पष्ट विज़न है। इस विज़न के तहत, भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है जो वैश्विक नेतृत्व कर सके और अपने नागरिकों के लिए जीवन स्तर को विश्वस्तरीय बना सके। 'संरक्षणवाद के असफल आर्थिक दर्शन से शुरू हुआ यह सफर अब 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' के विज़न के साथ एक नए अध्याय की ओर बढ़ रहा है। ।•••

देश में जनजातीय समाज को मिला सम्मान और नई पहचान

रामविचार नेताम

मोदी जी ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर यह साफ कर दिया कि राष्ट्र का इतिहास आदिवासी नायकों के बलिदान के बिना अधूरा है। यही भावना तब चरम पर पहुंची जब आदिवासी समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हुई। वह क्षण केवल एक शपथ नहीं था, बल्कि पूरे आदिवासी समाज के आत्मसम्मान का पुनर्जन्म था।

भारत की मिट्टी में सदियों से ऐसे तपस्वी जन्म लेते आए हैं, जिन्होंने अपना जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि जनसेवा के लिए जीया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हीं में से एक हैं। उनके 75 वर्ष केवल समय की गिनती नहीं, बल्कि एक ऐसी साधना का इतिहास है जिसने वंचितों को आवाज दी, उपेक्षितों को सम्मान दिया और जनजातीय समाज को आत्मविश्वास की नई पहचान दी। जो समाज कभी हाशिये पर था, जो अपनी संस्कृति और संघर्ष के बावजूद भुला दिया गया था, आज वही समाज विकास की मुख्यधारा में गर्व से खड़ा है। यह परिवर्तन केवल योजनाओं का नतीजा नहीं, बल्कि उस सोच का प्रमाण है जिसमें हर नागरिक को भारत की आत्मा माना गया है। मोदी जी ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर यह साफ कर दिया कि राष्ट्र का इतिहास आदिवासी नायकों के बलिदान के बिना अधूरा है। यही भावना तब चरम पर पहुंची जब आदिवासी समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हुई। वह क्षण केवल एक शपथ नहीं था, बल्कि पूरे आदिवासी समाज के आत्मसम्मान का पुनर्जन्म था।

मोदी जी की दृष्टि ने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी नई धारा बहाई। जंगलों और पहाड़ियों में निवास करने वाले बच्चों के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय किसी दीपक की तरह जले, जहाँ से अब हजारों सपने उड़ान भर रहे हैं। वहीं आयुष्मान भारत योजना ने उन परिवारों को जीवनदान दिया जिनके लिए बीमारी कभी असहायता का प्रतीक था। आज दूरस्थ गांवों के लोगों में भी यह विश्वास है कि बीमारी आएगी तो इलाज भी मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में भी नई सुबह हुई। वन धन योजना ने जंगल से जुड़ी उपज को आजीविका से जोड़ा और आत्मनिर्भरता का रास्ता खोला। बांस, लाख और जड़ी-बूटियां अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि उद्यम और सम्मानजनक आय का आधार बन चुकी हैं। मोदी जी ने यह दिखाया कि जंगल केवल जीने का साधन नहीं, बल्कि सपनों को पूरा करने की शक्ति भी है।

प्रधानमंत्री मोदी जी यहीं नहीं रुके, उन्होंने कई योजनाओं के माध्यम से जनजातीय जीवन में नई ऊर्जा फूंकी। प्रधानमंत्री जनमन योजना ने शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास को गति दी। धरती आबा योजना ने बिरसा मुंडा की आत्मा को जीवित रखते हुए युवाओं को कौशल और रोजगार दिया। आदि कर्मयोगी योजना ने युवाओं को जनजातियों को मुख्यधारा में लाने संवेदनशीलता के साथ उनके कंधे से कंधे मिलाकर विकास की राह अग्रसर हो रहे हैं। अब आदिवासी युवा केवल लाभ लेने वाले नहीं, बल्कि बदलाव के वाहक बन चुके हैं। मोदी जी का 75 वर्षों का जीवन हमें यह सिखाता है कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। यह यात्रा केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों दिलों की प्रेरणा है। यह बताती है कि यदि नीयत स्पष्ट व पवित्र और संकल्प अडिग हो तो समाज का कोई भी वर्ग अंधकार में नहीं रह सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि का परिणाम है कि आज जनजातीय समाज का उत्थान इस साधना का सबसे बड़ा साक्ष्य है।

आज जब हम मोदी जी की 75 वर्ष की जीवन-यात्रा पर दृष्टि डालते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं दिखती, बल्कि पूरे राष्ट्र के जागरण का उत्सव प्रतीत होती है। यह वह क्षण है जब हर भारतीय यह अनुभव करता है कि सेवा से ही सम्मान मिलता है और सम्मान से ही सशक्तीकरण की राह निकलती है। मोदी जी की यह साधना हमें विश्वास दिलाती है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है, क्योंकि उसकी जड़ें, उसकी मिट्टी से जुड़ी है। यही 75 वर्षों का संदेश है कि सेवा से सम्मान से नई इबारत लिखी जा सकती है। यही है उस जीवन यात्रा का सार हैं जो आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। ।•••

मोदी : भारतीय लोकतंत्र के साक्षात प्रतिमान

बृजमोहन अग्रवाल

प्रधानमंत्री मोदी भारतीय लोकतंत्र की शक्ति के जीवंत प्रमाण हैं। एक चाय बेचने वाले के बेटे से लेकर तीन बार प्रधानमंत्री बनने तक का उनका सफर धैर्य और जनसेवा की एक अद्वितीय कहानी है। यह इस गहन सत्य को पुष्ट करता है कि हमारे देश में समर्पण और योग्यता किसी भी परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर सकती है।

भारत अपने इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और हम मील के पत्थरों के एक अद्भुत संगम का साक्षी बन रहे हैं। 2025 में जहां छत्तीसगढ़ अपना रजत महोत्सव मना रहा है वहीं हम अपने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन का अभिनन्दन भी कर रहे। यह हमारे राज्य के लिए एक अनूठा अवसर है, जिसका मार्गदर्शन एक ऐसे नेता द्वारा किया जा रहा है जिनके जीवन और कार्यों ने भारत की क्षमता को पुनर्परिभाषित किया है।

प्रधानमंत्री मोदी भारतीय लोकतंत्र की शक्ति के जीवंत प्रमाण हैं। एक चाय बेचने वाले के बेटे से लेकर तीन बार प्रधानमंत्री बनने तक का उनका सफर धैर्य और जनसेवा की एक अद्वितीय कहानी है। यह इस गहन सत्य को पुष्ट करता है कि हमारे देश में समर्पण और योग्यता किसी भी परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर सकती है। लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करना एक शक्तिशाली जनादेश है, जो उनके विजन में लोगों के अटूट विश्वास का प्रमाण है। यह वह लोकतांत्रिक आदर्श है जिसका वे न केवल प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि उसे सक्रिय रूप से मजबूत भी करते हैं।

उनका नेतृत्व भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से उठाए गए साहसिक और निर्णायक कदमों से परिभाषित होता है। दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से, उन्होंने शासन के परिदृश्य को बदल दिया है। जन धन योजना ने लाखों लोगों को वित्तीय मुख्यधारा में लाया, उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धूएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई, और आयुष्मान भारत योजना ने सबसे कमज़ोर लोगों को स्वास्थ्य सेवा सुरक्षा प्रदान की है। ये पहल, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देने के साथ, केवल योजनाएँ नहीं है। ये एक आत्मनिर्भर और लचीले भारत के स्तंभ है।

छत्तीसगढ़ इस जनहितैषी शासन का एक महत्वपूर्ण लाभार्थी रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, अनगिनत परिवारों को एक पक्के घर का सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री किसान योजना ने हमारे किसानों, जो हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। सुदूर गाँवों में बिजली सुनिश्चित करने से लेकर कनेक्टिविटी बढ़ाने वाले आधुनिक बुनियादी ढाँचे के निर्माण तक, 'मोदी गारंटी' ने हमारे राज्य के लोगों के लिए ठोस प्रगति और उत्थान में योगदान दिया है।

इसके अलावा, नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की अटूट प्रतिबद्धता अत्यंत परिवर्तनकारी है। दशकों से यह उग्रवाद हमारे राज्य के लिए एक अभिशाप रहा है, जिसने प्रगति को अवरुद्ध किया है और भय का वातावरण बनाया है, खासकर हमारे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में। विकास को बढ़ावा देते हुए सुरक्षा को मजबूत करने की मोदी सरकार की दोहरी रणनीति ने एक बड़ा बदलाव लाया है। हमारी सेनाओं को सशक्त बनाकर और साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों, स्कूलों और संचार टावरों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे का निर्माण करके, उनकी सरकार संघर्ष के मूल कारणों का समाधान कर रही है। यह समग्र दृष्टिकोण निराश युवाओं को मुख्यधारा में ला रहा है और हमारे राज्य के सुदूर इलाकों तक शासन का लाभ पहुँचा रहा है। छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद की गिरफ्त से मुक्त कराने से इसकी वास्तविक आर्थिक क्षमता का विकास होगा और स्थायी शांति और समृद्धि के युग का सूत्रपात होगा।

अपनी सार्वजनिक सेवा के शुरुआती वर्षों से ही, मुझे उनके नेतृत्व को प्रत्यक्ष रूप से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उनकी अथक ऊर्जा और 'अंत्योदय' पर अटूट ध्यान यानी कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति की सेवा मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है। बारीकियों पर उनका सूक्ष्म ध्यान और गरीबों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की उनकी गहरी इच्छा निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। वह एक ऐसे नेता हैं जो देश की नब्ज समझते हैं और सत्ता के लिए नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सशक्तीकरण के लिए काम करते हैं।

जैसे-जैसे श्री मोदी अपनी हीरक जयंती और छत्तीसगढ़ अपनी रजत जयंती के करीब पहुँच रहे हैं, हम एक रोमांचक मोड़ पर हैं। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, हमारा राज्य और हमारा राष्ट्र, विकास और समृद्धि की अभूतपूर्व ऊँचाइयों को छूने के लिए तैयार है। उनकी विरासत एक ऐसे वास्तुकार की है, जो अथक परिश्रम से एक मजबूत, अधिक आत्मविश्वासी और गौरवशाली भारत का निर्माण कर रहे है, एक ऐसा भारत जो अतीत की बेड़ियों से मुक्त हो और अपने भविष्य को अपनाने के लिए तैयार हो। ।•••

राष्ट्र के माटी की महक है मोदीजी की बातों में...

प्रो. संजय द्विवेदी

मोदी सही मायने में संवाद के महारथी हैं। वे जनसभाओं के नायक हैं तो सोशल मीडिया जैसे नए माध्यमों पर भी उनकी तूती बोलती है।

भारत जैसे महान देश को संबोधित करना आसान नहीं है। इस विविधता भरे देश में वाक् चातुर्य से भरे विद्वानों, राजनेताओं, प्रवचनकारों की कमी नहीं है। अपनी वाणी से सम्मोहित कर लेने वाले अनेक विद्वानों को हमने सुना और परखा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षमताएं उनमें विलक्षण हैं। वे हमारे समय के अप्रतिम संचारकर्ता हैं। वे अपनी देहभाषा, भाव-भंगिमा, शब्दावली और वाक् चातुर्य से जो करते हैं, उसमें कमियां ढूंढ पाना मुश्किल है। उनका आत्मविश्वास और शैली तो विलक्षण है ही, वे जो कहते हैं उस बात पर भी सहज विश्वास करने का मन होता है। मोदी सही मायने में संवाद के महारथी हैं। वे जनसभाओं के नायक हैं तो सोशल मीडिया जैसे नए माध्यमों पर भी उनकी तूती बोलती है। पारंपरिक मंचों से लेकर आधुनिक सोशल मीडिया मंचों पर उनकी धमाकेदार उपस्थिति बताती है, संवाद और संचार को वे किस बेहतर अंदाज में समझते हैं।

जरूरी है संप्रेषण कला और देहभाषा का अध्ययन

गुजरात के एक छोटे से कस्बे बड़नगर में पले-बढ़े नरेंद्र मोदी में ऐसा क्या है जो लोगों को सम्मोहित करता है? उनकी राजनीतिक यात्रा भी विवादों से परे नहीं रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिस तरह निशाना बनाकर उनकी छवि मलिन करने के सचेतन प्रयास हुए, वे सारे प्रसंग लोक विमर्श में हैं। बावजूद इसके वे हिंदुस्तानी समाज के नायक बने हुए हैं तो इसके पीछे उनकी संप्रेषण कला और देहभाषा का अध्ययन प्रासंगिक हो जाता है। वे अपनी अप्रतिम संवादकला से वे लोगों में यह भरोसा जगाने में सफल हो जाते हैं कि वे कुछ कर सकते हैं।

एक नया सिलसिला 'मन की बात' से बना

2014 में मोदी सत्ता में आते हैं और संचार के सबसे प्रभावकारी माध्यम को साधते हैं। वे आकाशवाणी पर 'मन की बात' के माध्यम से लोगों से संवाद का अवसर चुनते हैं। यानि उनका संवाद अवसर और चुनाव केंद्रित नहीं है, निरंतर है। उनमें एक सातत्य है। बदलाव के लिए, परिवर्तन के लिए, लोकजागरण के लिए। वे 'मन की बात' को राजनीतिक विमर्शों के बजाए लोकविमर्शों का केंद्र बनाते हैं। जिसमें जिंदगी की बात है, सफाई की बात है, शिक्षा और परीक्षा की बात है, योग की बात है।

मन, वचन और कर्म से एक

मोदी अपनी देहभाषा से कमाल करते हैं। कई बार चौंकाते भी हैं। देश की गहरी समझ भी इसका बड़ा कारण है, यही कारण है वे देश के जिस हिस्से में होते हैं, वहां की स्थानीय बोली, वस्त्रों और प्रतीकों का सचेत इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही उनकी पोशाकें, उनका हाफ कुर्ता, जैकेट्स आज एक तरह से स्टाइल स्टेटमेंट है। उनका अनुसरण कर नौजवान आज खद्दर और सूती कपड़ों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हम विश्लेषण करें तो पाते हैं कि उनका समर्पित जीवन और ईमानदारी से उनकी वाणी का भी एक रिश्ता है। जब हम सिर्फ बोलते हैं तो उसका असर अलग होता है। किंतु अगर हम जो बोलते हैं उसमें कृतित्व भी शामिल हो तो बात का असर बढ़ जाता है।

नरेंद्र मोदी अपनी असंदिग्ध ईमानदारी, राष्ट्रनिष्ठा और देशभक्ति के प्रतीक हैं। उनका समूचा जीवन राष्ट्र के लिए अर्पित है। ऐसा व्यक्ति जब कोई बात कहता है तो उसका असर बहुत ज्यादा होता है। क्योंकि आपकी वाणी को आपके जीवन का समर्थन है। सिर्फ देश की बात करना और देश के लिए जीना दो बातें हैं। उनकी वाणी पर भी सहज विश्वास आता है। उनकी वाणी 'भाषण' न होकर 'दिल से दिल के संवाद' में बदल जाती है। लोंगों को भरोसा है कि वे हमारी ही बात कर रहे हैं और हमारे लिए ही कर रहे हैं।

मोदीजी ने अपनी साधारण पृष्ठभूमि की बात कभी छिपाई नहीं, जब भी उनकी साधारण स्थितियों का मजाक बनाया गया तो उसे भी उन्होंने एक सफल अभियान में बदल दिया। 'चाय पर चर्चा' का कार्यक्रम किस तरह बना, उसके संदर्भ हम सबके ध्यान में हैं। नरेंद्र मोदी सही मायने में सामान्य जनों में भरोसा जगाते हैं कि अगर संकल्प हों, इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति क्या नहीं कर सकता। यह एक बात लोगों को उनसे कनेक्ट करती है। नरेंद्र मोदी अपनी जड़ों को नहीं भूलते वे हमेशा उसे याद करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं। यही कारण है उनका कनेक्ट सीधा जनता से बनता है।

अपनी संवाद कला से प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नेताओं को लेकर सोचने के बने-बनाए ढर्रे को तोड़ने का काम किया है। याद कीजिए 13 सितंबर, 2013 का वह दिन, जब नरेंद्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी ने 2014 के लोकसभा चुनाव की कमान सौंपी और उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। महज 6 महीने के भीतर शुरू हो रहे आम चुनावों में उन्हें पार्टी ने सवा अरब भारतवासियों के साथ संवाद करने की जिम्मेदारी सौंपी। और तब जिस जोरदार तरीके से उन्होंने रैलियों में अपने अनूठे अंदाज वाले भाषणों से समां बांधा, उस चुनाव अभियान ने एक बारगी पूरे विश्व को अचंभित कर दिया। बगैर थके-बगैर रुके और बगैर एक भी सभा स्थगित किए, नरेंद्र मोदी ने 440 रैलियों के साथ पूरे देश की 3 लाख किलोमीटर की बेहद थकाऊ यात्रा महज 6 महीने में पूरी कर रिकॉर्ड कायम किया। इस चुनावी कैंपेन में उनके हर भाषणों में कुछ ना कुछ नया और अनूठा था।

हर वर्ग को प्रभावित करने की क्षमता

नरेंद्र मोदी ने श्रोताओं के हिसाब से अपने भाषणों में बदलाव किया, जो उनकी शैली की सबसे बड़ी खासियत भी बनी। अपने चुनावी अभियान में मोदी ने युवाओं और वृद्ध दोनों आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित किया। मोदी ने रटे-रटाए भाषणों के बजाय लय में बात रखी, जिसने अपेक्षाकृत अधिक लोगों के दिलों को छुआ। अपनी बॉडी लैंग्वेज में मोदी हाथों और उंगलियों का शानदार इस्तेमाल करते हैं। अपने शब्दों के हिसाब से वह चेहरे पर भाव लाते हैं । तर्कों को जब आंकड़ों और शानदार बॉडी लैंग्वेज का साथ मिलता है, तो भाषण अधिकतम प्रभाव छोड़ता है। मोदी अपने विजन को लोगों तक पहुंचाने के लिए आंकड़ों का खूब इस्तेमाल करते हैं। जरूरतों और उपलब्धता के आंकड़े अपने भाषणों में इस्तेमाल कर मोदी ने मुश्किल समस्याओं को आसानी से लोगों के सामने रखा।

जापान दौरे में ताइको ड्रम बजाकर उन्होंने जिस तरह से संसार भर को खुद के भीतर लय-सुर-ताल की समझ रखने वाले शख्स का अहसास कराया, उसने क्षण भर में ही उनके भीतर मौजूद हर मौके पर आम लोगों की दिलचस्पी के मुताबिक काम करने वाले बहुआयामी शख्सियत को सामने ला दिया, जो बताता है कि मोदी को मालूम है कि आखिर उनके सामने दर्शक वर्ग उक्त समय में क्या सुनना पसंद करेगा और किस तरह के बर्ताव और संवाद की अपेक्षा लोग उनसे करेंगे। उनके भाषणों के पीछे कठोर तपस्या और कर्म-साधना का बल खड़ा रहता है। हर जगह के हिसाब से उनके भाषणों का मिजाज अलग होता है। स्थानीय बोलियों के साथ देश की अनेक मातृभाषाओं में जनता के साथ वो सीधा संवाद करते हैं। स्थानीय लोकोक्तियों और स्थानीय लोगों की जिंदगी से जुड़े मार्मिक प्रसंगों का वो सहारा लेते हैं।

करोड़ों भारतीयों के आत्मविश्वास की आवाज

प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति सब के बस की बात नहीं है। यह कला सीखी नहीं जा सकती। यह केवल और केवल अनुभव से आती है। जनता के बीच से निकला जमीनी नेता ही इस स्तर तक पहुंच सकता है, जैसे कि नरेंद्र मोदी। उन्हें सुनने वालों की फेहरिस्त में देश के लोग भी हैं और दुनिया के भी। विरोधियों को घेरना हो या मन की बात करनी हो, उनके शब्दों का चयन अनूठा होता है।

जिस तरह से नरेंद्र मोदी ने देश की विविध जनता को ध्यान में रखते हुए अपनी संवाद क्षमता का इस्तेमाल किया है, वह उनकी सफलता का बड़ा आधार भी है। ऐसे परिदृश्य में जब भारत के प्रधानमंत्री को वैश्विक नेता के रूप में मान्यता मिली है, उनका प्रत्येक शब्द मूल्यवान हो जाता है। विशाल देश की विशाल जनसंख्या से संवाद करने का इससे ज्यादा प्रभावी तरीका दूसरा नहीं हो सकता। ।•••

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।

विचारों को मूर्त रूप प्रदान करना मोदीजी का अंदाज

हसमुख अधिया

वास्तव में, मोदी के लिए सीखना कभी उम्र का मोहताज नहीं रहा। बचपन से ही, उनमें सहज जिज्ञासा थी और वे विविध कहानियों और अनुभवों को आत्मसात करते और तलाशते थे। जीवन भर उनका यही विश्वास रहा है कि जिज्ञासा हर स्तर पर सीखने को बढ़ावा देती है। यहाँ तक कि उनकी जिम्मेदारियाँ जब क्षेत्रीय नेतृत्व से राष्ट्रीय पद तक बढ़ गई, इसके बावजूद ऐसी नियमित मुलाकातें उनके मन में विचारों को जन्म देती रही और छोटी-छोटी बातें सीख में बदल गईं, जो वर्षों बाद, ऐन कार्रवाई करने का समय आने पर ही फिर से उजागर हुईं।

नरेन्द्र मोदी की यात्रा के मूल में एक विशेष आदत अनवरत अवलोकन निहित है। वे प्रत्येक मुलाकात को विचारों के स्रोत के रूप में देखते हैं, चाहे वह सामान्य बातचीत हो या विदेश यात्रा। लेकिन नवीनता या अकादमिक विचार मानने वाले लोगों के विपरीत, मोदी इनमें से प्रत्येक विचार को संभावित समस्या के मूल कारण के आधार के तौर पर परखते हैं और फिर उसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल समाधान में ढालते हैं। जिज्ञासा, विश्लेषण और प्रभावी क्रियान्वयन के इसी मिश्रण ने उन्हें जमीनी स्तर के आयोजक से एक वैश्विक राजनेता के रूप में स्थापित किया है।

वास्तव में, मोदी के लिए सीखना कभी उम्र का मोहताज नहीं रहा। बचपन से ही उनमें सहज जिज्ञासा थी और वे विविध कहानियों और अनुभवों को आत्मसात करते और तलाशते थे। जीवन भर उनका यही विश्वास रहा है कि जिज्ञासा हर स्तर पर सीखने बढ़ावा देती है। यहाँ तक कि उनकी जिम्मेदारियाँ जब क्षेत्रीय नेतृत्व से राष्ट्रीय पद तक बढ़ गई, इसके बावजूद ऐसी नियमित मुलाकातें उनके मन में विचारों को जन्म देती रहीं और छोटी-छोटी बातें सीख में बदल गईं, जो वर्षों बाद, ऐन कार्रवाई करने का समय आने पर ही फिर से उजागर हुईं।

किशोरावस्था में, ज्ञान की इसी ललक ने उनकी

यात्रा का आगाज़ किया। पहले-पहल आध्यात्मिक साधक के रूप में और बाद में एक समर्पित संघ प्रचारक के रूप में उन्होंने समूचे भारत की यात्रा की और ऐसे अनुभव बटोरे, जिसने दुनिया को देखने-समझने की उनकी दृष्टि को आकार दिया। हर बातचीत उनके लिए कुछ नया सीखने का अवसर थी।

लेकिन जो बात उन्हें दूसरों से अलग बनाती है, वह यह है कि यह सूझबूझ केवल सैद्धांतिक नहीं रही; अवसर पाते ही, उन्होंने इसे क्रियान्वित किया। हालाँकि, समस्या-समाधान की यह कला अक्सर अप्रत्याशित तरीकों से सामने आती रही। उदाहरण के लिए, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के दौरान, उन्होंने देखा कि कर्मचारी संगमरमर के ठंडे फर्श पर नंगे पाँव काम कर रहे थे और उन्होंने तुरंत उन कर्मचारियों के लिए जूट की चप्पलों का प्रबंध कर दिया, यह एक आसान उपाय था, जो सर्दी और आने वाली गर्मी, दोनों के लिए कारगर रहा। एक अन्य घटना में, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान की अपनी यात्रा के बाद, उन्होंने स्पर्शनीय मार्गचिन्ह (उभरी हुई सतह) की अवधारणा प्रारंभ की। दृष्टिबाधित लोगों के लाभ के लिए उन्होंने इसे अहमदाबाद में लागू करने पर ज़ोर दिया। ये संकेत उनकी एक अनवरत आदत को जाहिर करते हैं: अनदेखा कर दी गई बारीकियों को दैनिक जीवन को आसान बनाने वाले व्यावहारिक सुधारों में बदलना।

उनके कुछ विचार बीते दशकों की याद दिलाते हैं। 1993 में लॉस एंजिल्स की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने फाइनेंशियल हाई-राइजिज के समूहों का अध्ययन किया; वर्षों बाद, उन्हीं विचारों ने गुजरात में गिफ्ट सिटी को भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को केंद्रीकृत करने के केंद्र के रूप में प्रेरित किया। इसी जिज्ञासा ने अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट को आकार दिया, जहाँ उन्होंने अधिकारियों से दुनिया भर की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करवाया, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि अंतिम डिज़ाइन स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित रहे। 2002 में कच्छ में आए विनाशकारी भूकंप के बाद मोदी ने आपदा से निपटने में इस पद्धति को अपनाया। उन्होंने नियमित नौकरशाही मॉडलों को नकारते हुए अपनी टीम को जापान के कोबे भूकंप प्रबंधन का अध्ययन करने और उसके योजनाकारों से संपर्क करने का निर्देश दिया। लेकिन उनका विचार स्पष्ट था: मॉडलों को पूरी तरह से आयातित नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, इन जानकारियों को गुजरात के लिए तत्काल आवश्यकता वाले समाधानों जैसे भूकंपरोधी आवास, सुरक्षित निर्माण पद्धतियाँ और सामुदायिक भागीदारी- में ढाला गया। भारत में यह पुनर्वास के लिए एक मानक बन गया, जिसने दिखाया कि कैसे एक संकट अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान को भारतीय पहल के साथ मिलाने का परीक्षण स्थल बन सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने इसी क्रम को जारी रखा, दक्षिण कोरिया में नदी-सफाई परियोजनाओं का दौरा इसी इरादे से किया, कि उनसे प्राप्त अनुभव को नमामि गंगे में लागू किया जा सके।

भारत के भीतर से उभरने वाले विचारों के प्रति भी उन्होंने उतना ही उत्साह दिखाया है। इसका उल्लेखनीय उदाहरण नैनो यूरिया है, जो एक युवा वैज्ञानिक द्वारा प्रधानमंत्री को दिए गए सुझाव से उपजा नवाचार है। मोदी ने तुरंत इसकी क्षमता को पहचाना और इसके विकास पर ज़ोर दिया। आज, इसकी एक छोटी बोतल पारंपरिक उर्वरक की एक बोरी की जगह ले सकती है, जिससे लागत में कमी आती है और किसानों का बोझ कम होता है। यही खुलापन सरकारी कार्यक्रमों को भी आकार देता है: जब वित्तीय समावेशन योजना के नामकरण के लिए जनता की प्रतिक्रिया मांगी गई, तो नागरिकों ने ही "जन धन" शब्द गढ़ा। वैज्ञानिकों और आम लोगों, दोनों के नवाचारों को प्रोत्साहित करते हुए मोदी ने दिखाया कि कैसे घरेलू विचारों को राष्ट्रीय समाधानों में बदला जा सकता है।

भारत के भीतर से उभरने वाले विचारों के प्रति भी उन्होंने उतना ही उत्साह दिखाया है। इसका उल्लेखनीय उदाहरण नैनो यूरिया है, जो एक युवा वैज्ञानिक द्वारा प्रधानमंत्री को दिए गए सुझाव से उपजा नवाचार है। मोदी ने तुरंत इसकी क्षमता को पहचाना और इसके विकास पर ज़ोर दिया। आज, इसकी एक छोटी बोतल पारंपरिक उर्वरक की एक बोरी की जगह ले सकती है, जिससे लागत में कमी आती है और किसानों का बोझ कम होता है। यही खुलापन सरकारी कार्यक्रमों को भी आकार देता है: जब वित्तीय समावेशन योजना के नामकरण के लिए जनता की प्रतिक्रिया मांगी गई, तो नागरिकों ने ही "जन धन" शब्द गढ़ा। वैज्ञानिकों और आम लोगों, दोनों के नवाचारों को प्रोत्साहित करते हुए मोदी ने दिखाया कि कैसे घरेलू विचारों को राष्ट्रीय समाधानों में बदला जा सकता है।

ये कहानियां मिलकर मोदी के जीवन के एक अनवरत सूत्र को उजागर करती हैं। मंदिर में मामूली प्रतीत होने वाली असुविधा को दूर करने से लेकर, एक आधुनिक शहर की रूपरेखा तैयार करने, किसी तबाह क्षेत्र के पुनर्निर्माण या किसी क्रांतिकारी उर्वरक को अपनाने तक, उनकी प्रक्रिया एक समान ही रही है: स्थिति का ध्यानपूर्वक अवलोकन करना, लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं की पहचान करना और उसे पूरा करने के लिए निर्णायक रूप से कार्य करना। "आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः" (प्रत्येक दिशा से कल्याणकारी विचार हमारी ओर आएँ) के भारतीय दर्शन का पालन करते हुए, मोदी हर यात्रा और संवाद से सक्रिय रूप से अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं और भारत को आगे बढ़ाने के लिए उनका उपयोग करने का दृढ़तापूर्वक प्रयास करते हैं। अंततः, उनका हर विचार लोगों के लिए होता है, उनके जीवन और विकसित भारत की उनकी आकांक्षाओं में निहित होता है। ।•••

लेखक भारत के वित्त एवं राजस्व सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

पीएम मोदी ने वादों के बजाय काम करने वाला तंत्र बनाया

मनसुख मांडविया

नीतिगत केंद्रबिंदु के रूप में क्रियान्वयन में मोदी के दृढ़ विश्वास को बिजली क्षेत्र से संबंधित उनके दृष्टिकोण में देखा जा सकता है। गुजरात में उन्होंने देखा कि गांवों में खंभे और लाइन तो हैं, लेकिन बिजली नदारद है। इसका समाधान उन्होंने ज्योतिग्राम योजना के रूप में निकाला, जिसके तहत फीडरों को अलग किया गया ताकि घरों को 24 घंटे बिजली मिल सके और खेतों को बिजली का एक निश्चित हिस्सा मिल सके।

लंबे समय तक प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने वाले बहुत ही कम नेताओं ने किसी राज्य में मुख्यमंत्री का दायित्व भी संभाला है। देश के ज्यादातर प्रधानमंत्री 'राष्ट्रीय' स्तर के नेता रहे हैं और उनके पास प्रांतीय स्तर पर काम करने का अनुभव कम रहा है। लेकिन नरेंद्र मोदी इसके चंद अपवादों में से एक हैं।

नीतिगत केंद्रबिंदु के रूप में क्रियान्वयन में मोदी के दृढ़ विश्वास को बिजली क्षेत्र से संबंधित उनके दृष्टिकोण में देखा जा सकता है। गुजरात में उन्होंने देखा कि गांवों में खंभे और लाइन तो हैं, लेकिन बिजली नदारद है। इसका समाधान उन्होंने ज्योतिग्राम योजना के रूप में निकाला, जिसके तहत फीडरों को अलग किया गया ताकि घरों को 24 घंटे बिजली मिल सके और खेतों को बिजली का एक निश्चित हिस्सा मिल सके। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के जरिए इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया और 18,374 गांवों को बिजली मिली।

बैंकिंग क्षेत्र में भी इसी सिद्धांत को फिर से दोहराया गया। कागजों में तो ग्रामीण परिवारों के बैंक खाते थे, लेकिन व्यवहार में वे निष्क्रिय थे। जन-धन ने इस स्थिति को बदल दिया। आधार और मोबाइल फोन को व्यक्तिगत बैंक खातों से जोड़कर एक कमजोर पड़ी व्यवस्था को सीधे धन हस्तांतरण की बुनियाद बना दिया गया। इससे धन बिना किसी बिचौलिए के नागरिकों के हाथों में पहुंचा, बर्बादी पर लगाम लगी और सरकारी खजाने को भारी रकम की बचत हुई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने भुगतान को निर्माण कार्यों से जोड़ा, निगरानी के लिए जियो टैगिंग का इस्तेमाल किया और बेहतर डिजाइन पर जोर दिया। पिछली सरकारों के अधूरे घरों के उद्घाटन के चलन को पलटते हुए लाभार्थियों को पूरी तरह निर्मित घर मिले।

गुजरात ने मोदी को यह भी दिखाया कि प्रगति किस प्रकार केंद्र और राज्य के बीच समन्वय पर निर्भर करती है। दशकों से अटके पड़े जीएसटी को राज्यों से आम सहमति बनाकर पारित किया गया। जीएसटी परिषद ने राजकोषीय संवाद को संस्थागत रूप दिया और एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया। व्यापार में सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग करके और सुधारों को पुरस्कृत करके प्रतिस्पर्धी संघवाद को भी बढ़ावा दिया।

मोदी के लिए कल्याणकारी योजनाएं उत्पादकता से जुड़ा निवेश रही हैं, जिनका उद्देश्य लाभार्थियों को सशक्त बनाना है। गुजरात के कन्या केलवणी नामांकन अभियान ने महिला साक्षरता को 2001 के 57.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 2011 तक 70.7 प्रतिशत कर दिया था। राष्ट्रीय स्तर पर इसे ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में परिवर्तित किया गया। इसी प्रकार मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुजरात में चिरंजीवी योजना थी तो केंद्र में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना।

बुनियादी ढांचे के मामले में, गुजरात के बीआईएसएजी मानचित्रण से संबंधित प्रयोगों को पीएम गति शक्ति के रूप में विस्तारित किया गया, जहां 16 मंत्रालय और सभी राज्य अब एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 1,400 परियोजनाओं की योजना बना रहे हैं। वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों ने दिखाया कि कैसे निरंतर जुड़ाव धारणाओं को बदल सकता है, एक राज्य को निवेशकों की नजर में एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य बना सकता है और नौकरशाहों को व्यवसाय के अनुकूल बना सकता है। इसी अनुभव ने 'मेक इन इंडिया' को आकार दिया।

जब भारत 2047 तक विकसित भारत बनने का अपना लक्ष्य हासिल करेगा, तो ऐसा इसलिए संभव हो सकेगा क्योंकि प्रधानमंत्री ने शासन को ही नए सिरे से परिभाषित किया है। क्रियान्वयन को प्रशासन की कसौटी बनाकर उन्होंने भारत की विशाल मशीनरी को वादों से हटाकर काम करने वाली मशीनरी में बदल दिया है। यही नरेंद्र मोदी की निर्णायक विरासत है। ।•••

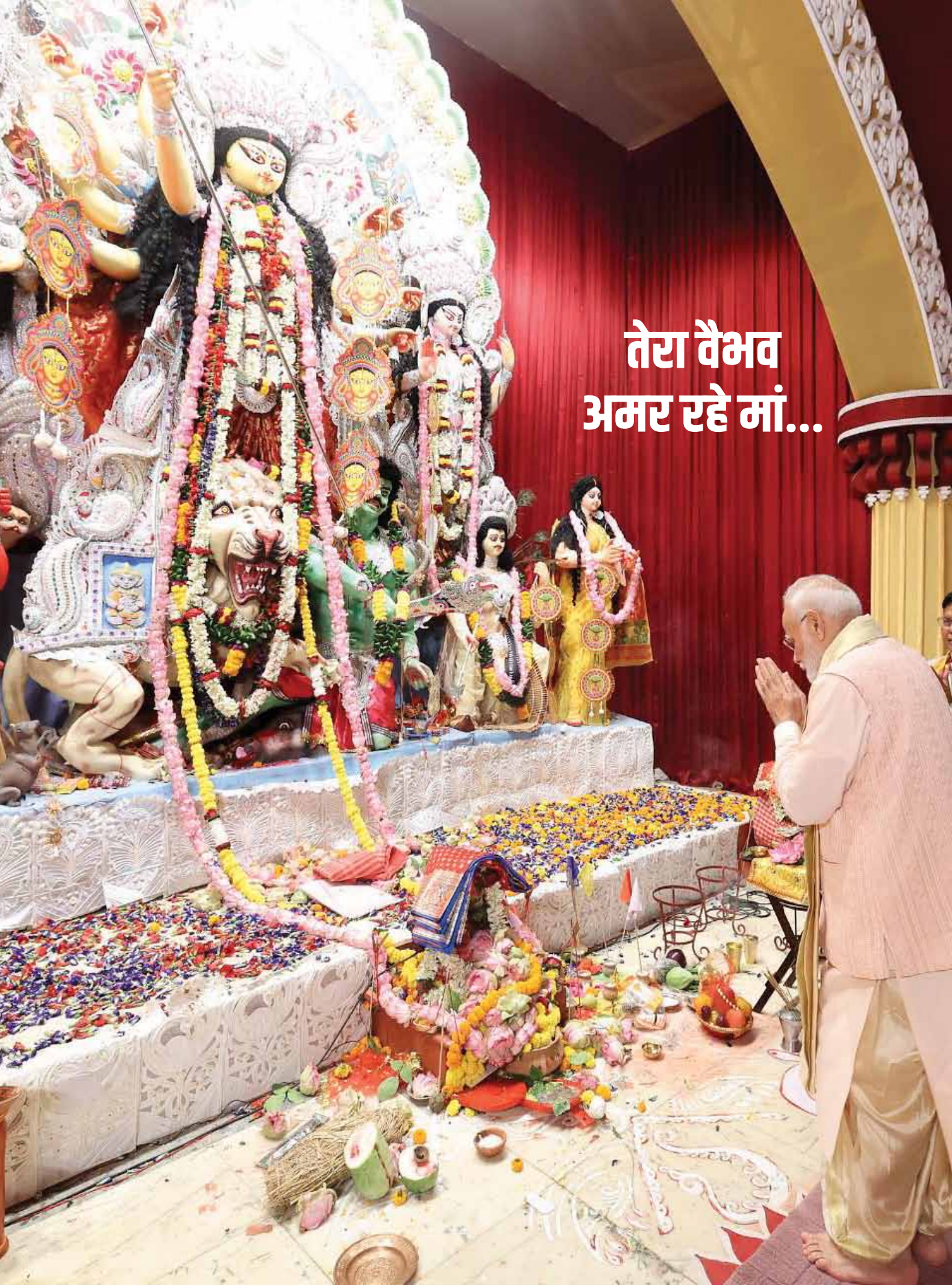
तेरा वैभव
अमर रहे मां...

भारत का कोई नागरिक ऐसा नहीं, जिसे जीएसटी सुधार का लाभ न हुआ हो: वित्तमंत्री

लोगों को राहत देने का काम वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में तीन सितंबर को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में किया गया, जिसमें केंद्र के प्रस्ताव पर सभी राज्यों ने सहमति की मुहर लगाई। इस बदलाव के पीछे की कहानी और इसके असर पर **दैनिक जागरण** के राजनीतिक संपादक **आशुतोष झा** और सहायक संपादक **राजीव कुमार** ने वित्त मंत्री से विस्तृत बातचीत की। प्रस्तुत हैं मुख्य अंश साभार:

Q बतौर वित्त मंत्री आपके कार्यकाल में भारत पिछले कुछ सालों से सबसे तेजी गति से विकास करने वाला देश बन गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की विकास दर रही। इनकम टैक्स के बाद अब जीएसटी में इतनी बड़ी राहत के बाद क्या चालू वित्त वर्ष में जीडीपी विकास दर सात प्रतिशत को पार कर सकती है?

A विकास दर 7% से ऊपर रहेगी, इसके बारे में सटीक नहीं कह सकते हैं लेकिन यह तय है कि इस साल इनकम टैक्स और जीएसटी दरों में राहत के कारण भारत में कोई ऐसा नागरिक नहीं बचेगा, जिसे टैक्स से राहत नहीं मिलेगी। 1.40 अरब की इस आबादी में सबको इसका लाभ मिलने जा रहा है।

Q विपक्ष की प्रतिक्रिया तो अलग-अलग तरीके से आ रही है?

A कोरोनाकाल के बाद अर्थव्यवस्था का तेजी से विकास हुआ, परंतु विपक्ष वाले उसमें भी छेद करना चाहते थे, उस विकास को कभी वी शेप तो कभी के शेप का नाम देते थे।

Q मतलब विपक्ष की मंशा इसे लेकर ठीक नहीं है?

A विपक्ष सकारात्मक सोच नहीं रखता है। जैसे महाभारत की लड़ाई में योद्धा कर्ण का रथ चलाने वाला सारथी उन्हें बार-बार बोलता था कि आप यह लड़ाई जीत नहीं सकते हैं, आप अर्जुन नहीं है, यह सब सुनकर कर्ण हतोत्साहित हो जाता है, हालांकि कर्ण फिर भी लड़ता रहता है, कर्ण के रथ का पहिया फंस जाता है और वह सारथी उसकी मदद को नहीं आता है, कर्ण खुद ही पहिया निकालता है। विपक्ष के लोग भी बार-बार देश के नागरिक की ताकत को नकारात्मक बता रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बता रहे हैं, अगर यह बात ट्रंप ने कही तो

वे उसका समर्थन कर रहे हैं। अमेरिका से आने वाले इस बयान को कि बोस्टन ब्राह्मण लूट रहे हैं, का समर्थन कर रहे हैं। यह विदेशी भाषा है, लेकिन समर्थन वो भी कर रहे हैं। ब्रिटिश 80 साल पहले भारत से चले गए, लेकिन उनकी भाषा का विपक्ष आज भी समर्थन कर रहा है, इन लोगों के दिमाग में आज भी ब्रिटेन का राज चल रहा है।

Q **प्रधानमंत्री ने बीते 15 अगस्त को जीएसटी में कटौती का एलान किया। उसके बाद इसमें काफी तेजी दिखी। आपकी नजर में यह कटौती पहले भी की जा सकती थी या यही बिल्कुल सही समय था?**

A पहले भी इसे किया जा सकता था, लेकिन काम खत्म नहीं हुआ था। पिछले डेढ़ साल से इस पर काम चल रहा था। प्रधानमंत्री ने जीएसटी पर काम करने के लिए कहा था। दिसंबर में जैसलमेर में जीएसटी काउंसिल की बैठक से पहले से इस पर काम शुरू था। बजट के समय भी प्रधानमंत्री ने इसे लेकर याद दिलाया था। इस साल मई मध्य में जाकर प्रधानमंत्री को बताया गया कि अभी कुछ तैयार कर लिया है। बाद में फिर उन्हें ब्रीफ किया। पूरा सुनने के बाद प्रधानमंत्री को प्रस्ताव अच्छा लगा और फिर नियम के मुताबिक प्रस्ताव को जीएसटी काउंसिल में ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। इस काम में जीओएम का गठन किया गया, फिर उसमें भी चर्चा हुई थी इन चीजों में समय लग गया।

Q **ऐसा सुनने में आ रहा है कि काउंसिल की बैठक में विपक्ष के राज्यों ने कई चीजों पर आपत्ति दर्ज कराई?**

A यह बिल्कुल गलत बात है। किसी भी विषय के ऊपर विपक्ष के राज्यों ने आपत्ति जाहिर नहीं की। उनके मन में सिर्फ एक चिंता थी। वह चिंता प्रस्ताव को लेकर नहीं, अपने राजस्व को लेकर थी कि जीएसटी दरों में बदलाव से अगर राजस्व घटेगा तो उसे कैसे पूरा किया जाएगा। लेकिन ऐसा तो नहीं है कि सिर्फ राज्य के राजस्व पर फर्क पड़ेगा, कमी आएगी तो केंद्र के राजस्व में भी आएगी। इस फैसले से जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी होती है तो दोनों आपस में बांटेंगे नुकसान होगा तो दोनों सहेंगे। कोविड के बाद देश की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के लिए राज्यों की तरफ से भी खर्च जरूरी था और उस उद्देश्य से हमने राज्यों को 50 साल के लिए ब्याज मुक्त लोन दिया। अब तक आठ लाख करोड़ रुपये राज्य को जा चुका है।

किसी भी विषय के ऊपर विपक्ष के राज्यों ने आपत्ति जाहिर नहीं की। उनके मन में सिर्फ एक चिंता थी। वह चिंता प्रस्ताव को लेकर नहीं, अपने राजस्व को लेकर थी कि जीएसटी दरों में बदलाव से अगर राजस्व घटेगा तो उसे कैसे पूरा किया जाएगा। लेकिन ऐसा तो नहीं है कि सिर्फ राज्य के राजस्व पर फर्क पड़ेगा, कमी आएगी तो केंद्र के राजस्व में भी आएगी।

Q **मतलब जीएसटी कटौती पर केंद्र के प्रस्ताव पर सभी सहमत थे?**

A किसी ने प्रस्ताव को रोका नहीं, सबने मिलकर इसे पारित किया। मैंने कल ही सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को इसके लिए धन्यवाद पत्र भेजा है। आप ये देखिए कि इस कटौती से कोई सस्ते में चप्पल खरीदेगा, कोई दवा खरीदेगा, कोई टीवी खरीदेगा, सभी कुछ न कुछ खरीदारी करेंगे। अपने राजस्व के नाम पर इस प्रस्ताव को रोकना ठीक नहीं था।

Q **खाने-पीने के पैक्ड आइटम पर कटौती को लागू करने में परेशानी आ सकती है?**

A कुछ कंपनियां ग्रामेज बढ़ाने की बात कर रही हैं। इस दिशा में भी कंपनियां सोच रही हैं। रुकावट की बात कोई नहीं कर रही है। जनता भी इसको देखेगी कि सरकार छूट दे रही है, लेकिन कंपनियां दे रही हैं या नहीं। ऐसे में इस प्रकार का जोखिम कोई नहीं उठाना चाहेगा।

Q **जीएसटी काउंसिल की बैठक में सितंबर आखिर से जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल के काम शुरू करने का फैसला लिया गया है, इससे क्या फायदा होगा?**

A अपीलेट ट्रिब्यूनल की शुरुआत की पूरी व्यवस्था हो गई है। उनकी बेंच (पीठ) कार्यालय आदि को लेकर फैसला हो गया है। राज्यों के निवेदन के मुताबिक सबकुछ तैयार कर हो रहा है। नियुक्ति की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। एक अक्टूबर से अपीलेट का कामकाज शुरू हो जाएगा। दिसंबर से सुनवाई शुरू हो जाएगी।

Q **जीएसटी गुड एंड सिंपल टैक्स कब बनेगा, क्योंकि कारोबारी कहते हैं कि इंस्पेक्टर उन्हें**

छोटी-छोटी बातों पर परेशान करते हैं?

A इस परिवर्तन के साथ यह भी होगा। तीन दिनों में पंजीयन होगा। 90 प्रतिशत रिफंड समय पर मिल जाएगा। ऐसे बहुत सारे नियम बदलने वाले हैं। फार्म सरल कर रहे हैं। क्लासिफिकेशन का मामला खत्म कर दिया गया है। साधारण पापकार्न और चाकलेट वाले पापकार्न पर जीएसटी का मामला आपको याद होगा। सभी खाने के आइटम पर एक ही दर कर दी है, इससे मुकदमे कम होंगे।

Q किताब छपाई से जुड़े पेपर पर जीएसटी को लेकर उद्योग जगत में असमंजस है ?

A हमने इससे जुड़े सभी आइटम के जीएसटी को पहले ही दिन से स्पष्ट कर दिया है। तीन सितंबर की रात में ही इसे जारी कर दिया गया। एक-एक वस्तु का स्पष्ट विवरण दिया गया है। 90 पेज की हमने प्रेस विज्ञप्ति जारी की जिसमें सबकुछ साफ कर दिया गया है।

Q क्षतिपूर्ति सेस को राज्यों ने दूसरे रूप में जारी रखने की मांग की थी तो क्या भविष्य में इसे किसी और रूप में जारी रखने पर विचार किया जा सकता है?

A बिल्कुल नहीं। किसके लिए राजस्व इकट्ठा कर रहे हो, जनता के लिए ही न, फिर क्षतिपूर्ति सेस के नाम पर क्यों अतिरिक्त टैक्स उनसे वसूलना चाहते हो। जीएसटी लागू होने के समय पांच साल के लिए राज्यों के राजस्व में 14 प्रतिशत का ग्रोथ देने के लिए, क्षतिपूर्ति सेस लाया गया था। जैसे अगर किसी राज्य के राजस्व का ग्रोथ 10 प्रतिशत रहा तो उसे और चार प्रतिशत क्षतिपूर्ति सेस से दिया जाएगा। कोविड के समय कोई ग्रोथ नहीं हुआ, लेकिन लोन लेकर इसे दिया गया।

Q आपने कोई आकलन किया है कि जीएसटी कटौती से राजस्व का कितना नुकसान होगा ?

Q कांग्रेस कह रही है कि हमारे कारण जीएसटी लागू हुआ, आप क्या कहेंगी?

A कांग्रेस हर बार कंफ्यूज रहती है कि इस बात की आलोचना करें या इसका क्रेडिट ले। वह एक समान रुख नहीं रख पाती है। एक समय कांग्रेस इसे गब्बर सिंह टैक्स बोलती थी और अब कह रही है कि हमारे कारण जीएसटी रेट में बदलाव हुआ। ये जो रेट चल रहा था वो हमने बनाए थे क्या, जीएसटी पर काम करने वाली कमेटी तय की थी, इस प्रकार की कमेटी को वामपंथी नेता असीम दास गुप्ता चेयर कर चुके हैं। अरुण जेटली ने रेट तय नहीं किया था।

A हमने पहले भी कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 के उपभोग पैटर्न को देखते हुए यह नुकसान 48,000 हजार करोड़ का हो सकता है। लेकिन इस साल 12 लाख तक की आय पर इनकम टैक्स में भी छूट है, इस माहौल में जनता बाजार में क्या रुख अपनाती है देखना होगा। वह जबरदस्त खरीदारी कर सकती है जो पूरे दिसंबर तक जारी रह सकती है। जनवरी-मार्च में कम खरीदारी होगी, इसके मूल्यांकन के बाद ही हम कुछ कह सकेंगे।

Q आपसे निर्यातकों ने मुलाकात की थी, ट्रंप टैरिफ को ध्यान में रखते हुए उन्हें क्या सरकार राहत पैकेज दे सकती है, या फिर इस बात का इंतजार है कि क्या पता टैरिफ हट जाए?

A वो कारण नहीं है, इंतजार करने का। निर्यातक अपने-अपने सेक्टर के निर्यात का मूल्यांकन कर रहे हैं फिर वे संबंधित विभाग को बताएंगे। मूल रूप से यह पता करना है कि अमेरिका होने वाले निर्यात पर कितना असर पड़ रहा है और उस हिसाब से फिर हम पैकेज पर विचार करेंगे। जहां तक एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का सवाल है तो वह सभी निर्यातकों के लिए होगा।

Q जीएसटी रिफार्म के बाद और भी रिफार्म होंगे क्या?

A रिफार्म तो हम लगातार करते जाएंगे। मोदी रिफार्म के लिए इंतजार नहीं करते हैं। देश का भविष्य अच्छा करना है। उनका कहना है कि उसके लिए रिफार्म करते जाओ।

Q पेट्रोलियम उत्पाद को भी जीएसटी दायरे में लाने पर विचार किया जाएगा या अब इसे बाहर ही रखा जाएगा?

A निकट भविष्य में तो अब पेट्रोलियम पदार्थ को जीएसटी के दायरे में नहीं लाया जाएगा। राज्यों के राजस्व का बड़ा साधन है। इसमें थोड़ा समय लगेगा। ।•••

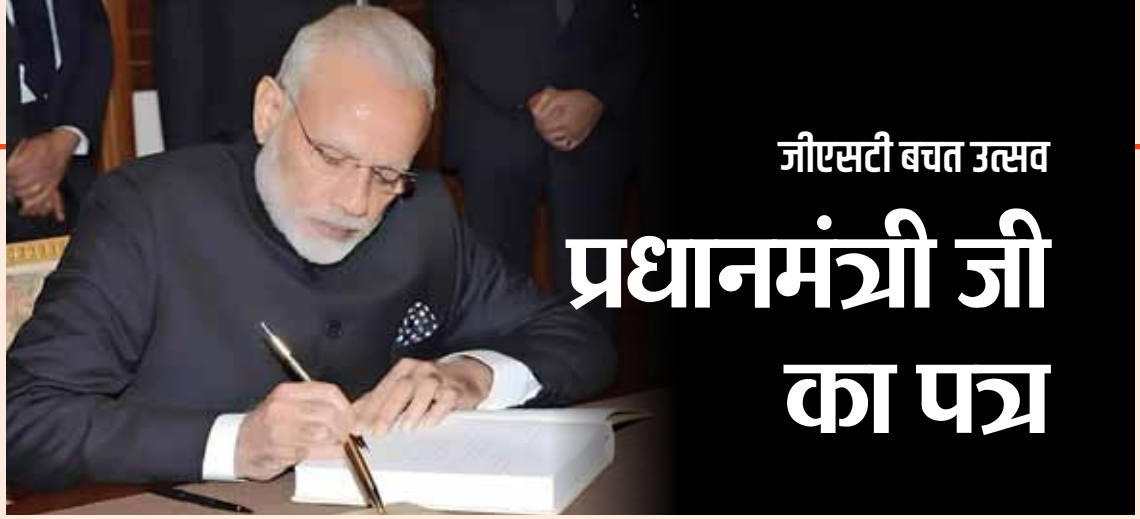

जीएसटी बचत उत्सव

प्रधानमंत्री जी का पत्र

मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार।

आपको और आपके परिवार को शक्ति की उपासना के पर्व नवरात्रि की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मेरी प्रार्थना है, ये त्योहार आप सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए।

इस वर्ष त्योहारों में हमें एक और उपहार मिल रहा है। 22 सितंबर से नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लागू होने के साथ ही पूरे देश में 'जीएसटी बचत उत्सव' की शुरुआत हो गई है। इन रिफॉर्म्स से किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, सभी को फायदा होगा।

नए जीएसटी रिफॉर्म्स की विशेषता है कि अब मुख्य रूप से सिर्फ दो ही स्लैब रहेंगे। रोजमर्रा की जरूरी चीजें जैसे खाना, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट और कई अन्य सामान अब या तो टैक्स-फ्री होंगे या 5% की सबसे कम स्लैब में आएंगे। घर बनाने, गाड़ी खरीदने, बाहर खाने या परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जैसे सपनों को पूरा करना अब आसान होगा। हेल्थ इंश्योरेंस पर भी अब जीएसटी को शून्य कर दिया गया है।

मुझे ये देखकर अच्छा लगा कि कई दुकानदार और व्यापारी 'पहले और अब के बोर्ड लगाकर, लोगों को बता रहे हैं कि कोई सामान कितना सस्ता हो गया है।

हमारी जीएसटी यात्रा 2017 में शुरू हुई थी। तब देश को अनेक तरह के टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति मिली थी। इससे ग्राहकों और व्यापारियों, कारोबारियों को बहुत राहत मिली थी। अब ये नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म हमें और आगे ले जा रहे हैं। इसमें सिस्टम को और सरल बनाया गया है। इससे हमारे दुकानदार साथियों, लघु उद्योगों की सहूलियत और बढ़ेगी।

नागरिक देवो भव हमारा मंत्र है। पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। देश में एक नियो मिडिल क्लास तैयार हुआ है। अब इसे और सशक्त बनाया जा रहा है। हमने मध्यम वर्ग को भी मजबूत किया है। 12 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लिया जा रहा है। अगर इनकम टैक्स में छूट और नए जीएसटी रिफॉर्म्स को मिलाकर देखें, तो देशवासियों के सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए बचेंगे।

देश ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है और इसे सिद्ध करने के लिए आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना जरूरी है। नए जीएसटी रिफॉर्म्स से आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी तेज गति मिलेगी।

आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है कि हम स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। चाहे ब्रांड कोई भी हो, कंपनी कोई भी हो, अगर उसमें भारतीय श्रमिक और कारीगर की मेहनत लगी है, तो वो स्वदेशी है।

जब भी आप अपने देश के कारीगरों, श्रमिकों और इंडस्ट्री के बनाए सामान को खरीदते हैं, तो आप कई परिवारों की रोजी-रोटी में मदद करते है और देश के युवाओं के लिए रोजगार पैदा करते हैं।

मैं अपने दुकानदारों और व्यापारियों से भी अपील करता हूं कि वो स्वदेशी सामान ही बेचें।

आइए गर्व से कहें, ये स्वदेशी है।

आपके घर की बचत बढ़े, आपके सपने पूरे हों, आप अपने पसंद की चीजों के साथ त्योहारों की चमक बढ़ाएं... मेरी यही कामना है। एक बार फिर, मैं आपको नवरात्रि के साथ ही 'जीएसटी बचत उत्सव' की शुभकामनाएं देता हूं। धन्यवाद !

-नरेंद्र मोदी

जीएसटी सुधार एक नए क्रांतिकारी आर्थिक युग का सूत्रपात: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में जीएसटी में जो सुधार किए गए हैं, वह देश के डेढ़ सौ करोड़ लोगों के जीवन में खुशियों की सौगात लेकर आया है। आयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लैब का सरलीकरण, इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले हैं। सीएम साय ने कहा कि इससे न सिर्फ लोगों की बचत में ऐतिहासिक वृद्धि होगी, बल्कि जीएसटी कानूनों के सरलीकरण से अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना कार्य कर सकेंगे। मां शक्ति की अराधना के पावन पर्व 'नवरात्रि' से लागू होने वाले यह नए प्रावधान देश को आर्थिक रूप से और शक्तिशाली बनाएंगे।

कांग्रेस के समय 17 प्रकार के टैक्स थे

मुख्यमंत्री श्री साय ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में कहा कि 101वें संविधान संशोधन द्वारा 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पहले तक भारत में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे। प्रत्यक्ष कर की बातें करें तो आयकर की दर तो एक समय अधिकतम 97.5 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। पिछले वर्ष 12 लाख सालाना की आय को टैक्स फ्री किया गया। अब जीएसटी में चार स्लैब के बदले दो ही स्लैब रखने, सभी उपयोगी वस्तुओं पर कर शून्य करने और अनेक उत्पादों में कर 10 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है।

90 प्रतिशत सामान सस्ते हुए

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए सुधार से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की अनेक वस्तुएं जैसे तेल, शैम्पू, टूथपेस्ट, मक्खन, पनीर, सिलाई मशीन से लेकर ट्रैक्टर व उसके कलपुर्जे व अन्य कृषि उपकरण तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, शैक्षणिक वस्तुओं के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक व ऑटोमोबाइल उत्पादों को किफायती बनाया गया है। जीएसटी कम होने का लाभ वस्त्र उद्योग को विशेष रूप से निर्यात के लिए होगा।

प्रत्येक परिवार को होगा लाभ

एक परिवार जो अपने जीवन यापन के लिए 3 से 3.5 लाख प्रत्येक वर्ष खर्च करता है, उन्हें कम से कम इतना लाभ मिलेगा। इसी तरह यह सुधार कृषि क्षेत्र के लिए वरदान जैसा है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, रोटावेटर में अलग-अलग तरह के जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत की गई है। यह किसान के लिए लागत सक्षम कृषि में सहायक होगी। जैव-कीटनाशक और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी दर घटाई गई है।

साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां की 80 फीसदी आबादी कृषि कार्य करती है। जीएसटी की छूट से 25 हजार से 63 हजार तक की बचत केवल एक ट्रैक्टर की खरीदी पर होगी। 9 लाख रुपये के ट्रैक्टर पर 65 हजार की बचत 35HP के ट्रैक्टर जिसकी कीमत लगभग 5 लाख 80 हजार होती थी इस पर 41 हजार रुपये कम देने होंगे। एक किसान के लिए ये रकम बचना बहुत ज्यादा मायने रखती है। देश भर में एक वर्ष में लगभग 9 लाख ट्रैक्टर बिकते हैं, जिसमें किसानों को सीधे 6 हजार करोड़ की बचत होगी।

स्वास्थ्य व जीवन बीमा पूरी टैक्स फ्री

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस कर छूट में एक सबसे उल्लेखनीय बिन्दु जो हमारे लिए निजी तौर पर भी संतोष देने वाला है, वह है स्वास्थ्य बीमा में जीएसटी को शून्य कर देना। स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा उत्पादों पर कर समाप्त करने का लाभ सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। यह कर छूट सभी के लिए बीमा का लक्ष्य पाने में मददगार होगा। सस्ते इलाज के संदर्भ में यह कदम ऐतिहासिक है।

इस निर्णय से भारत की अर्थ-व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार आएगा : देव

भाजपा की प्रदेश इकाई ने नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी सुधारों की दिशा में केंन्द्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी है। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि जीएसटी की विभिन्न स्लैब दरों में कटौती करके केन्द्र सरकार ने आम भारतीय जन के जीवनयापन को हर स्तर पर आसान बना दिया है। निश्चित रूप से इस निर्णय से भारत की अर्थ-व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार आएगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि स्वाधीनता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जिन व्यापक आर्थिक सुधारों का संकल्प व्यक्त किया था, जीएसटी काउंसिल का ताजा निर्णय उन संकल्पों की पूर्ति की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को जीएसटी दरों में कटौती और सुधार के प्रस्ताव से आम लोग, किसान, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाएँ और युवा लाभान्वित होंगे। श्री देव ने कहा कि इन सुधारों से नागरिकों का जीवन बेहतर और सरल होगा। केंद्र सरकार द्वारा लिया गया जीएसटी नेक्स्ट जनरेशन से जुड़ा निर्णय स्वर्णिम फैसला है। इस फैसले से समाज के हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। अब सिर्फ दो जीएसटी स्लैब होंगे - 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। इसका अर्थ है कि 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाले स्लैब को समाप्त कर दिया गया है और इनमें शामिल अधिकांश वस्तुएँ अब दो स्वीकृत टैक्स स्लैब में समाहित होंगी। वहीं, विलासिता और हानिकारिक वस्तुओं के लिए

40 प्रतिशत का एक अलग स्लैब मंजूर किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी समाज के समग्र विकास और आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं और यह निर्णय राष्ट्र के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। ।•••

जीएसटी बचत उत्सव का जायजा

नवरात्रि पर्व के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के एम.जी. रोड एवं आसपास के प्रमुख बाजारों का भ्रमण कर व्यापारियों और उपभोक्ताओं से आत्मीय संवाद किया। यह अवसर इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने कर प्रणाली को नई सरलता और पारदर्शिता प्रदान की है। मुख्यमंत्री के आगमन से पूरे बाजार का वातावरण उल्लास और उत्साह से भर गया। जगह-जगह व्यापारियों और नागरिकों ने उनका स्वागत किया और "मोदी जी को धन्यवाद" के नारे गूंजते रहे। मुख्यमंत्री ने दुकानदारों से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए जाना कि नई कर व्यवस्था से व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को कितना बड़ा लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शाम को राजधानी रायपुर स्थित जयस्तंभ चौक से महात्मा गांधी मार्ग होते हुए गुरुनानक चौक तक पैदल बाजार भ्रमण किया और जीएसटी बचत उत्सव का जायजा लेने विभिन्न प्रतिष्ठानों में पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने दुकानों में बचत उत्सव के स्टीकर भी लगाए और स्थानीय दुकानदारों एवं ग्राहकों से आत्मीय चर्चा की।

बाजार भ्रमण के दौरान व्यापारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न व्यापारी संगठनों एवं संचालकों ने मुख्यमंत्री श्री साय का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जीएसटी सुधार से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी, जिससे स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा हाल में किए गए व्यापक जीएसटी सुधारों से टैक्स में कमी आई है और ग्राहकों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शारदा चौक स्थित श्री शंकर हनुमान मंदिर में दर्शन कर बाजार भ्रमण की शुरुआत की। मुख्यमंत्री से बातचीत में श्रीराम इलेक्ट्रॉनिक्स में खरीददारी करने आई समता कॉलोनी निवासी सुश्री ऋचा ठाकुर ने कहा कि जीएसटी में कटौती से उनकी बड़ी चिंता दूर हुई है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने हॉस्टल के लिए 5 एसी खरीदने थे। पहले 35,000 रुपये प्रति एसी की कीमत वाले उत्पाद अब कटौती और डिस्काउंट के बाद 30,000 रुपये में मिले, जिससे एक बार में ही 25,000 रुपये की बचत हुई। ऋचा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को इस निर्णय के लिए धन्यवाद दिया।

इसी प्रकार एम.एस. ट्रेडर्स के प्रोप्राइटर श्री मोहन नेभानी ने बताया कि बचत उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं उनकी दुकान पर आए और ग्राहकों के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि जीएसटी में कटौती से ग्राहकों की खरीददारी बढ़ी है और हर सामान पर 1,000 से 2,000 रुपये तक की बचत हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महात्मा गांधी मार्ग स्थित विभिन्न दुकानों में भ्रमण कर दुकानदारों और ग्राहकों से आत्मीय बातचीत की। बाजार में पैदल भ्रमण के दौरान आमजन ने मुख्यमंत्री पर पुष्पवर्षा कर स्वागत और अभिनंदन किया।

जयस्तंभ चौक पर मुख्यमंत्री का स्वागत चैम्बर ऑफ कॉमर्स और पार्टी पदाधिकारियों ने किया। इसके बाद वे शारदा चौक पहुंचे और वहाँ देवी प्रतिमा के दर्शन कर भक्तों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री एक होटल से

लेकर मंजू ममता होटल तक पैदल भ्रमण करते हुए आगे बढ़े। सड़क किनारे खड़े छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े प्रतिष्ठानों तक, सभी ने मुख्यमंत्री से संवाद करने की उत्सुकता दिखाई। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ सभी की बातें सुनीं और जीएसटी 2.0 के लाभों पर उनकी प्रतिक्रियाएँ जानीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने टिनी टीज़र और किड्स ऑन व्हील साइकिल स्टोर जैसे प्रतिष्ठानों पर जाकर बच्चों से जुड़ी वस्तुओं और घरेलू सामग्री पर घटे कर दरों की जानकारी ली। इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में जाकर उन्होंने जाना कि उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में कितनी सस्ती दरों पर सामान मिल रहा है। दुकानदारों ने बताया कि नए प्रावधानों से व्यापार करना आसान हुआ है और ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि नवरात्रि पर्व और जीएसटी दरों में ऐतिहासिक कटौती का यह संयोग व्यापार और उपभोक्ताओं दोनों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कर प्रणाली और अधिक पारदर्शी एवं सरल बनी है। इससे न केवल व्यापारियों को सुविधा होगी बल्कि आम उपभोक्ताओं की जेब में भी प्रत्यक्ष बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने विस्तार से कहा कि अब केवल दो स्लैब रह गए हैं। आवश्यक वस्तुएँ जैसे साबुन, टूथपेस्ट, साइकिल और रसोई सामग्री अब मात्र 5 प्रतिशत कर पर उपलब्ध होंगी, जिससे हर परिवार को सालाना 3,000 से 5,000 रुपये की बचत होगी। इसी प्रकार ब्रेड, दूध, पैक्ड नमकीन और चना जैसी खाद्य वस्तुएँ पूरी तरह करमुक्त हो गई हैं, जिससे सालाना ढाई से साढ़े तीन हजार रुपये तक की बचत होगी। स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर भी कर हटने से लोगों को 25,000 रुपये की पॉलिसी पर लगभग 4,500 रुपये और वरिष्ठ नागरिक बीमा पर 8 से 10 हजार रुपये सालाना की बचत होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अंत में कहा कि जीएसटी 2.0 से व्यापार जगत को भी बड़ा लाभ होगा। यह सुधार उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार सभी क्षेत्रों पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों और व्यापारियों से आग्रह किया कि वे स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा दें और उपभोक्ताओं से भी आह्वान किया कि वे गर्व से कहें – "मैं स्वदेशी खरीदता हूँ और स्वदेशी बेचता हूँ।" उन्होंने इसे भारत के आर्थिक भविष्य को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला मंत्र बताया।

जीएसटी राहत पर जश्न, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का आत्मीय अभिनंदन

जगदलपुर बस्तर के व्यापारीगणों ने जीएसटी 2.0 दरों में कमी कर आमजनों को बड़ी राहत देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक किरण देव का आतिशबाजी और मिठाई वितरण कर जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष किरण देव एवं व्यापारीगणों ने गोलबाजार रोड स्थित दुकानदारों और आम नागरिकों को लड्डू खिलाकर खुशी साझा की। पूरा चौक देशभक्ति और उत्साह के नारों से गूंज उठा एवं उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री का आभार जताया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव में स्थित भारत जनरल स्टोर, मधुर क्लॉथ और बागड़ी ब्रदर्स दुकान पहुंचकर नई जीएसटी दर में मौजूद उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न दुकानदारों से

जीएसटी बचत उत्सव

सौहार्दपूर्ण भेंट कर जीएसटी रिफॉर्म पर चर्चा की।

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने रतनपुर प्रवास के दौरान स्थानीय व्यापारी बंधुओं एवं दुकानदारों से मुलाकात की और उन्हें स्वदेशी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही 'जीएसटी बचत उत्सव' के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल व प्रदेश संगठन महामंत्री ने रायपुर में खादी वस्त्र खरीदकर सबको स्वदेशी के इस अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि आप सभी से आग्रह है कि त्योहारों के उपलक्ष्य में खादी पहनें व स्थानीय उत्पादों का उपयोग करें।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने 'जीएसटी बचत उत्सव' अंतर्गत लोरमी नगर पालिका क्षेत्र की किराना दुकानों पर जाकर दुकानदारों एवं खरीददारों से मुलाकात कर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों से जीएसटी के नए स्लैब के अनुसार सामग्री बिक्री की जानकारी ली। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं की खरीदी कर वोकल फॉर लोकल अभियान को सफल बनाने हेतु प्रेरित किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा के बाजार में व्यापारियों से जीएसटी सुधार के संदर्भ में संवाद किया एवं स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर में लोगों से आत्मीय संवाद करते हुए जीएसटी रिफॉर्म से होने वाले लाभ की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप पर जीएसटी रिफॉर्म से संबंधित स्टीकर भी लगाया।

छत्तीसगढ़ में जीएसटी दरों में कटौती का लाभ सीधे जनता तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसी संदर्भ में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राजधानी के बाजारों का दौरा कर दुकानदारों व उपभोक्ताओं से संवाद किया और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक अवश्य पहुँचे।

कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत विशाल मेगामार्ट जगदलपुर का निरीक्षण करते हुए लोगों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने लोगों को जीएसटी रिफॉर्म से मिलने वाले लाभ की जानकारी दी।

कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल ने जीएसटी रिफॉर्म के संदर्भ में बेमेतरा में किराना स्टोर, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में जाकर व्यापारियों एवं ग्राहकों से संवाद किया।

कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा विधानसभा अंतर्गत दर्री मुख्य मार्ग स्थित हार्डवेयर, मेडिकल शॉप, कपड़े, स्टेशनरी, राशन सहित अन्य उत्पादों के स्थानीय व्यापारी भाइयों के साथ 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी' पर संवाद किया।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने कोनी मार्केट, बिलासपुर में व्यापारी बंधुओं से जीएसटी रिफॉर्म पर सार्थक संवाद किया। इस दौरान व्यापारियों ने घटाई गई जीएसटी दरों से उत्पन्न संभावनाओं और लाभों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। व्यापारी भाइयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए सहृदय धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर की विभिन्न दुकानों में पहुँचकर ग्राहकों से संवाद किया और उन्हें जीएसटी में कमी से मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ की जानकारी दी। साथ ही जागरूकता के उद्देश्य से उन्होंने जीएसटी रिफॉर्म से संबंधित दुकानों में स्टीकर भी लगाए।

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यावद ने बालोद के मुख्य बाज़ार में जीएसटी रिफॉर्म के संदर्भ में भ्रमण कर दुकानदारों से सौहार्दपूर्ण भेंट की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी रिफॉर्म संबंधित पोस्टर अपने प्रतिष्ठानों पर लगाने का आग्रह किया। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने और "वोकल फॉर लोकल" अभियान को बढ़ावा देने की अपील की।

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कांकेर में व्यापारियों एवं बाजार में खरीदारी करने आए ग्राहकों को गुलाब का फूल भेंट कर जीएसटी बचत उत्सव की बधाई दी और सस्ते हुए उत्पादों की जानकारी साझा की।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जीएसटी बचत उत्सव के तहत आज कटोरा तालाब और देवपुरी क्षेत्र में दवाई दुकान, शॉपिंग मॉल, मोबाइल शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक-इलेक्ट्रिकल्स, दोपहिया और चारपहिया वाहन शोरूम का दौरा किया। इस दौरान व्यापारियों और ग्राहकों से संवाद कर उन्हें स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित किया और कर प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने की अपील की।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व सांसद संतोष पांडेय ने डोंगरगढ़ नगर के गोल बाजार में व्यापारियों, दुकानदारों, स्थानीय कारीगरों और नागरिकों से मुलाकात की और वोकल फ़ॉर लोकल के लिए प्रेरित कर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की जानकारी व उसके लाभ बताए।

आत्मनिर्भर भारत के मंत्रद्रष्टा राजर्षि नरेंद्र मोदी

किरण देव

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर भारत की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल के ऐतिहासिक जीएसटी क्रांति और उससे पहले आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट देकर, सभी तरह के कर कानूनों का सरलीकरण कर मोदीजी ने 'विकसित भारत' की राह को प्रशस्त किया है।

हम सबको याद है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्रीजी ने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया था। उस समय की भयानक आपदा को भी अवसर बना देना, किसी चमत्कारिक नेतृत्व के वश की ही बात है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है।

नागरिकों को राहत, व्यापार सुगमता, कर सरलीकरण का अंतिम ध्येय भारत को विकसित बना देश के 150 करोड़ नागरिकों का जीवन आसान बना कर, उनके जीवन को संवारने का ध्येय लेकर मोदीजी काम कर रहे हैं।

मोदीजी के इस मूलमंत्र को अपना कर पार्टी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरु किया है। यह अभियान 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती से प्रारम्भ हुआ है और 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ निर्माता, भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी की जयंती तक यह चलेगा।

हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की भावना के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा जैसी कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को हर भारतीय तक पहुँचाना है।

पिछले एक दशक से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी को लेकर जिस तेजी से काम हुआ है, उसका असर सैन्य उपकरणों के निर्यात से लेकर अंतरिक्ष, वैक्सीन हर जगह भारत की बढ़ती धाक में देखा जा सकता है।

यदि सिर्फ रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को देखें तो 2014 से पहले जहां हम बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर थे वहीं अब आत्मनिर्भर होते हुए रक्षा निर्यातक बन चुके हैं।

भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2014-15 में 1 हजार 941 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 23 हजार 622 करोड़ रुपए हो गया है। आज हमारे देश ने विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इको सिस्टम के रूप में स्थापित कर लिया है, जहां 17 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं।

भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतीक हैं। सही अर्थ में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से अंत्योदय के उद्देश्य को भी पूरा कर रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए 'न्यूनतम सरकार अधिकतम' शासन के ध्येय पर चलते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है।

जीएसटी सुधार लागू होने के बाद मैं स्वय बाजारों में जा रहा हूं। जिस तरह का उत्साह हमें देखने को बाज़ारों में मिल रहा है, वह अद्भुत है। बाजार भ्रमण के दौरान मैंने देखा कि लोगों में जीएसटी 2.0 और स्वदेशी उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह है।

बाज़ार भ्रमण के दौरान हमने व्यवसायी बंधुओं से भेंट कर उन्हें भी स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का लिए प्रेरित किया, सभी आज इस बात पर एकमत हैं कि हम स्वदेश निर्मित उत्पादों से आत्मनिर्भर होकर विकसित भारत का स्वप्न साकार करेंगे।

वर्तमान में भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस दशक के अंत तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी भी पांच वर्ष में दुगना कर उसे 10 लाख

हम सबको याद है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्रीजी ने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया था। उस समय की भयानक आपदा को भी अवसर बना देना, किसी चमत्कारिक नेतृत्व के वश की ही बात है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है।

करोड़ करने का लक्ष्य लेकर हम कार्य प्रदेश की विष्णुदेव साय जी की सरकार कर रही है। यह लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्णायक शासन, दूरदर्शी सुधारों से संभव होता दिख रहा है।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए, भारत की संस्कृति, परंपरा और आत्मा को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प है। इस अभियान के तहत 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरे देश में रथ यात्राएं, सम्मेलन, प्रदर्शनी और स्वदेशी मेले आयोजित किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर भारत का अग्रणी राज्य बने। इसके लिए स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। यहां की समृद्ध संस्कृति, परंपरागत कला, शिल्प और संसाधन आत्मनिर्भरता के सशक्त उदाहरण है।

बस्तर की लोक कला, चांपा का कोसा और जशपुर का कॉफी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। महिला स्व-सहायता समूहों ने हर्बल उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाया है। बस्तर आर्ट, डोकरा, टेराकोटा जैसे शिल्प भारत की सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन रही हैं। जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर हम अपने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बना रहे हैं।

"बस्तर की लोक कला, चांपा का कोसा और जशपुर का कॉफी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। महिला स्व-सहायता समूहों ने हर्बल उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाया है। बस्तर आर्ट, डोकरा, टेराकोटा जैसे शिल्प भारत की सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन रही हैं। जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर हम अपने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बना रहे हैं।"

प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि हर भारतीय गर्व से कहे मैं स्वदेशी खरीदता हूँ, मैं स्वदेशी बेचता हूँ। गर्व से कहो यह स्वदेशी है, यही भावना आत्मनिर्भर भारत का मूल है।

श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है।

दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक प्रयोग देशभक्ति और राष्ट्र की सेवा का भी माध्यम है। आइए देशसेवा के उपक्रम स्वदेशी को आत्मसात करें और विकसित भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को साकार करें।

प्रदेशवासियों से भी आह्वान है कि उनके पास दीपावली और आगामी त्योहारों के अवसर पर एक सुनहरा मौका है, जब हम स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर बचत भी करें और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाएं। हम सभी मिलकर आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लें। मोदीजी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि में छत्तीसगढ़ का हर निवासी परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए मां भारती के वैभव के शिखर पर आरूढ़ करने में अपना योगदान देने के लिए कमर कस चुका है। हम 2047 तक जब अपनी स्वतन्त्रता का शताब्दी वर्ष मना रहे होंगे, तब निस्संदेह अपना भारत विकसित समृद्ध और आत्मनिर्भर हो गया रहेगा। इस आत्मनिर्भरता के मंत्र को हम सभी को देने वाले माननीय प्रधानमंत्रीजी को उनके अमृत जन्मोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं। बधाई। अभिनन्दन। ।•••

31 मार्च 2026

माओवादी आतंक की समाप्ति का दिन तय है : शाह

'बस्तर दशहरा में सबकी सक्रिय भागीदारी, न्यायिक व्यवस्था, आदिवासी संस्कृति को बचाने का चिंतन, जन संवाद की ऐतिहासिक परंपरा वास्तव में वैश्विक धरोहर है' - अमित शाह

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बस्तर की जनता-जनार्दन से अपील की है कि वे नौजवान युवाओं को हथियार डालने के लिए कहें। वे हथियार डाल दें और मुख्यधारा में आकर बस्तर के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से किसी का भला नहीं हुआ। हमारी छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार समस्त क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित है। सरेण्डर पॉलिसी हमने बनाई है, इसलिए हथियार डाल दीजिए। हथियार लेकर शांति को किसी ने अगर छिन्न-विछिन्न करने का काम किया तो हमारे सशस्त्र बल, सीआरपीएफ के जवान और छत्तीसगढ़ पुलिस मिलकर इसका माकूल जवाब देंगे। नक्सलवाद को विदाई देने के लिए 31 मार्च 2026 यह तिथि तय है।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने 'मुरिया दरबार' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भारत में सबसे अच्छी सरेण्डर पॉलिसी बनाई है, जिसके कारण एक ही माह में 500 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया है। आपका गाँव नक्सली मुक्त होते ही हर गांव के विकास के लिए एक करोड़ रुपए छत्तीसगढ़ शासन आपको देगा।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि बस्तर दशहरा आन-बान-शान से मना रहे हैं। बस्तर के अंदर ओलंपिक चालू हुआ और इस बार तो देशभर के आदिवासी हमारे बस्तर में ओलंपिक खेलने के लिए आने वाले हैं। बस्तर पंडुम, हमारे खान-पान, वस्त्र-आभूषण, हमारे वाद्य यंत्र पूरी दुनिया में आकर्षण का केंद्र बने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यही संदेश है कि हमारी संस्कृति, हमारी भाषा, हमारा खानपान, हमारी वेशभूषा, हमारे वाद्य यंत्र, सदियों तक पूरे देश और दुनिया के लिए उपलब्ध है। यह करने का संकल्प भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार का है।

मुरिया दरबार में अपनी उपस्थिति को आनंददायक बताते हुए श्री शाह ने कहा कि इस कार्यक्रम में पूरे बस्तर संभाग से सारे मुखिया यहाँ पर उपस्थित थे। उन्होंने सबकी समस्याएँ सुनीं। वह दिल्ली जाकर सबको बताएंगे कि एक बार मुरिया दरबार देखिए। 1874 से लेकर आज तक इस प्रकार की सक्रिय भागीदारी, न्यायिक व्यवस्था, आदिवासी संस्कृति को बचाने का चिंतन जन संवाद की ऐतिहासिक परंपरा वास्तव में वैश्विक धरोहर है। मुरिया दरबार के लोकतांत्रिक मूल्य हैं जो पूरे देश के

लिए जानकारी का विषय है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वदेशी पर बल दिया है। स्वदेशी जागरण मंच कई सालों से स्वदेशी के उपयोग पर बल देकर जन आंदोलन चला रहा है। हमें संकल्प लेना है कि देश में बनी हुई चीजों का ही उपयोग होगा। श्री शाह ने कहा कि अगर 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी उपयोग करने के संकल्प को आत्मसात करे तो हमारे भारत को दुनिया की सर्वोच्च आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने माता-बहनों को जीएसटी में 395 चीजों पर टैक्स घटाकर एक बहुत बड़ी राहत देने का काम किया है। खाने-पीने की बहुत-सी वस्तुओं को टैक्सरहित कर दिया। रोजाना उपयोग की चीजों में पांच प्रतिशत टैक्स रखा है। हमारे देश में इतनी बड़ी टैक्स की कटौती कभी नहीं हुई है। इस मेले में 300 से अधिक स्वदेशी कम्पनियाँ हिस्सा ले रही हैं। स्वदेशी एक नए भारत को पहचान देने का माध्यम बना है। आज देशभर में जो स्वदेश मेले लग रहे हैं, उसके माध्यम से स्वदेशी का अभियान भी आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि बस्तर का यह 75 दिन का दशहरा हम सबके लिए गौरव, पहचान और अभिमान का भी होता है। 14वीं शताब्दी से रथ यात्रा की जो शुरुआत हुई, उसने पूरे क्षेत्र के अंदर नई संस्कृति की शुरुआत की। श्री शाह ने कहा कि पाट यात्रा, कलश यात्रा, जोगी बिठाई, पूजा व नेवता, मावली माता का आगमन समूह, मावली माता का परगान, नवरात्र पूजा व रथ की परिक्रमा, निशा जात्रा, कुंवारी पूजा, जोगी उठाई, भीतर रैनी, बाहर रैनी, कुटुंब यात्रा और मावली विदाई तक, ढेर सारी परंपराओं को संजोकर रखा गया है। बस्तर दशहरा के हर विधान के साथ हर जाति को आदिवासियों को जोड़ने का यह प्रयास जिसने भी किया है, उसने पूरे बस्तर को एकसूत्र में बांधने का काम किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासियों के सम्मान में ढेर सारी योजनाएँ शुरू की। सबसे बड़ी बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के सर्वोच्च पद पर राष्ट्रपति के पद पर पहली बार आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू को बिठाने का काम किया। जब महामहिम द्रौपदी मुर्मू दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों से मिलती हैं, न केवल आदिवासी समाज बल्कि हम सब भारतीयों का हृदय गर्व से भर जाता है। श्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजाति गौरव वर्ष के रूप में मनाने का काम किया। हर आदिवासी के घर में गैस कनेक्शन, पीने का पानी, शौचालय, 5 लाख तक का बीमा देने का काम किया गया है। श्री शाह ने कहा कि नारायणपुर के पन्नीराम मण्डावी और हेमंत मांझी, कांकेर के अजय कुमार मंडावी को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करने का काम किया गया है। आज महतारी वंदन योजना की 20वीं किश्त जारी की। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ किया है, जो अभी बस्तर और सरगुजा संभाग में शुरू की गई है।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए लगभग 4.40 लाख करोड़ रुपए इन 10 वर्षों में देने का काम किया है। छत्तीसगढ़ का विकास दिन-दुगनी रात-चौगुनी गति से हो रहा है। उद्योग लगाए जा रहे हैं, शिक्षा के संस्थान आ रहे हैं, स्वास्थ्य के संसाधन आ रहे हैं, लघु उद्योगों को भी बढ़ावा देने का काम हो रहा है।

मुरिया दरबार

मुख्यमंत्री बस सेवा योजना का आगे चलकर और विस्तार किया जाएगाः साय

इस अवसर पर उपस्थित मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को देश और छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर के क्षेत्र में 31 मार्च 2026 तक समाप्त करने का संकल्प लिया है। हमारे जवान नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं, बड़े-बड़े नक्सली न्युट्रलाइज हो रहे हैं और निश्चित रूप से शाह जी का संकल्प पूरा होगा और उसके बाद बस्तर क्षेत्र में भी विकास की गंगा बहेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नियद नेल्लानार योजना बस्तर क्षेत्र में शुरू की है। लगातार सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो रहे हैं और यहाँ पर सड़क, बिजली, पानी, राशन, सब पहुँचाने में सरकार सफल हो रही है। श्री साय ने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का विषय है कि हमारे छत्तीसगढ़ में महतारियों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए लागू महतारी वंदन योजना में आज गृह मंत्री श्री शाह के हाथों 70 लाख से ज्यादा माता-बहनों के खाते में 606 करोड़ रुपया से ज्यादा जमा हुआ है। एक और कल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री बस सेवा योजना की शुरुआत श्री शाह के हाथों हुई है। अभी ढाई सौ गांव इसमें जुड़े हुए हैं, 34 सड़क मार्गों का चयन हुआ है। आगे चलकर और इसका विस्तार होगा। 34 बस की शुरुआत गृह मंत्री श्री शाह ने की है।

छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में निरंतर विकास की ओर अग्रसर : देव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा कि विजयदशमी के इस पावन पर्व की कड़ी में आज मुरिया दरबार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आगमन छत्तीसगढ़ के प्रति उनके आत्मीय लगाव का परिचायक है। कई कार्यक्रमों, योजनाओं के माध्यम से श्री शाह का बस्तर को लगातार प्रेम प्राप्त हो रहा है। बस्तर ओलंपिक की शुरुआत हो, चाहे बस्तर के पंडुक का, दंतेवाड़ा से लेकर पूरे संभाग में और आज हमारे स्वदेशी मेला का उन्होंने निरीक्षण भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो आत्म निर्भर भारत का संकल्प है, हमारे स्वावलम्बन आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दृष्टि से आज उन्होंने स्वदेशी मेला का निरीक्षण भी किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, केंद्रीय मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री श्री साय की योजनाएँ डबल इंजन की सरकार में तेजी से धरातल पर साकार हो रही हैं। छत्तीसगढ़ और बस्तर केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रहा है।

माई दंतेश्वरी की धरती से केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के हाथों महतारी वंदन की सौगात

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 4 अक्टूबर

मुरिया दरबार की ऐतिहासिक परंपरा वास्तव में वैश्विक धरोहर है : शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान 4 अक्टूबर को बस्तर के जगदलपुर में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मुरिया दरबार में अपनी उपस्थिति को आनंददायक बताया। इस कार्यक्रम में पूरे बस्तर संभाग से सारे मुखिया यहाँ पर उपस्थित थे। उन्होंने सबकी समस्याएँ सुनीं। वह दिल्ली जाकर सबको बताएंगे कि एक बार मुरिया दरबार देखिए। 1874 से लेकर आज तक इस प्रकार की सक्रिय भागीदारी, न्यायिक व्यवस्था, आदिवासी संस्कृति को बचाने का चिंतन जन संवाद की ऐतिहासिक परंपरा वास्तव में वैश्विक धरोहर है। मुरिया दरबार के लोकतांत्रिक मूल्य जो पूरे देश के लिए जानकारी का विषय है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बस्तर दशहरा से सम्बंधित मांझी-चालकी, मेम्बर एवं मेम्बरीन के साथ अभिनंदन भोज किया। इस भोज में क्षेत्र के पारम्परिक व्यंजनों कों समाहित किया गया था, जिसकी प्रशंसा केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने किया।

को माई दंतेश्वरी की धरती जगदलपुर में आयोजित बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार के मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं के बैंक खाते में 606 करोड़ 94 लाख रुपये की राशि अंतरित किया। महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त की राशि का लाभ प्रदेश की 64,94,768 लाभार्थी महिलाओं को मिला।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना की शुरुआत 1 मार्च 2024 से की थी। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य 21 वर्ष से अधिक आयु की सभी विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि वे न केवल अपनी घरेलू जरूरतें पूरी कर सकें बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकें।

अब तक इस योजना के अंतर्गत 19 किस्तों में महिलाओं को कुल 12376 करोड़ 19 लाख रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा कराई जा चुकी है। यह प्रक्रिया न केवल वित्तीय पारदर्शिता का उदाहरण है बल्कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम भी है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के हाथों 4 अक्टूबर को जारी होने वाली 20वीं किस्त की राशि 606 करोड़ 94 लाख रुपये के अंतरण के बाद, महतारी वंदन योजना का कुल वित्तीय आंकड़ा बढ़कर 12983 करोड़ 13 लाख रुपये से अधिक हो जाएगा। यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ सरकार की महिला सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि राज्य की लाखों महिलाएं इस योजना के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से आर्थिक लाभ प्राप्त कर रही हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां दंतेश्वरी से देश और प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी, मंत्री केदार कश्यप, रामविचार नेताम, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजेश अग्रवाल, बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप, सांसद भोजराज नाग, विधायक नीलकंठ टेकाम, आशाराम नेताम, विनायक गोयल, बस्तर के राजा कमलचंद्र भंजदेव सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। ।•••

छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया
मात्र कहावत नहीं, हकीकत

25 वर्षों में हुए बड़े बदलाव, गांव-गरीब, किसान, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य में छत्तीसगढ़ चहुमुखी विकास कर रहा है। अब हम विकसित राज्य की श्रेणी में शुमार है। इसलिए छत्तीसगढ़ मॉडल की देशभर में चर्चा है। मुख्यमंत्री ने विकास को गति देने वाले ये विचार 'पत्रिका' को देते हुए व्यक्त किया। प्रमुख अंश...

Q छत्तीसगढ़ में गर्व करने के लायक क्या अहम बदलाव हुए हैं?

A हमारा छत्तीसगढ़ बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछली सरकार ने छत्तीसगढ़ को गर्त में ढकेलने का काम किया था। जनता ने फिर से हम पर विश्वास किया है। अब आप देख रहे हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, आईटी सहित सभी सेक्टर में कितना काम हो रहा है। कुल मिलाकर हमारी सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ का इसकी रफ्तार और तेज होगी। चहुमुखी विकास हुआ है और आगे भी होगा।

Q चुनौतियों के बीच जशपुर और बस्तर तक विकास पहुंचाने का रोडमैप क्या है?

A हमारी सरकार ने इन दोनों क्षेत्रों का विकास करने सबसे पहले सरगुजा और बस्तर विकास प्राधिकरण बनाए और आदिवासियों के लिए पीडीएस लागू किया। उस समय डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री थे। इसके चलते ही वे चाऊंरवाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुए। छत्तीसगढ़ के इस प्रयोग को अन्य राज्यों ने भी अपने यहां लागू किया। पीडीएस के बाद हमारी सरकार ने प्राधिकरण के जरिए विकास कार्यों पर फोकस किया।

Q आपने हाल में ही विदेश यात्रा भी की, इसका छत्तीसगढ़ पर कैसे प्रभाव पड़ेगा?

A जापान यात्रा छत्तीसगढ़ के लिए बेहद सकारात्मक रही। दस दिनों के दौरान हमारी टीम ने न केवल राज्य की पहचान बताने वाली कलाओं जैसे कोसा, ढोकरा शिल्प, हस्तशिल्प, को प्रदर्शनी के माध्यम से दुनिया के सामने रखा, बल्कि सिरपुर की पुरातात्विक धरोहर और हमारी उद्योग नीति को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया। इस दौरान जापान के निवेशकों से सार्थक संवाद हुआ, परिणामस्वरूप छह अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें ईवी, कौशल विकास, एआई, आईटी और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

Q देश को आर्थिक ताकत बनाने में राज्य सरकार की क्या भूमिका रहेगी?

A भारत अभी भी बड़ी आर्थिक ताकत है। एक दशक में हमारी अर्थव्यवस्था 10 वें स्थान से चौथे स्थान पर आ गई है और यह बड़ी उपलब्धि है। विकसित भारत के साथ छत्तीसगढ़ भी कदमलताल करते हुए विकसित राज्य बनने की दिशा में में आगे बढ़ेगा। हमारी कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था को कृषि उपकरण के दरों के कम होने का सीधा लाभ मिलेगा, किसानों की बचत बढ़ेगी। टैक्स घटने से महंगाई घटेगी, बचत बढ़ेगी और बाजार में भी पैसा आएगा। छत्तीसगढ़ देश का तेजी से उभरता हुआ बाजार है, तो निश्चित रूप से इसका लाभ यहां मिलेगा ही।

Q निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार का क्या रोडमैप है?

A प्रदेश में सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस के अनुकूल नई औद्योगिक नीति बनाई। अब तक इसके माध्यम से हमें 6 लाख 65 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। हमने मुंबई, दिल्ली और देश के बाहर टोक्यो, ओसाका, सियोल जैसे शहरों में इंवेस्टर्स समिट किए, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की ओर निवेशकों का ध्यान आकर्षित हुआ है। मोदी जी के विकसित भारत विजन 2047 के अनुरूप हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ अंजोर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

Q **जन विश्वास विधेयक-2025 के माध्यम से न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने से क्या फायदा होगा, इसका लोगों पर क्या असर पड़ेगा।?**

A नागरिकों की छोटी-छोटी त्रुटियों पर पहले उन्हें अपराधी करार दिया जाता था और उन पर मुकदमे चलाए जाते थे। प्रधानमंत्रीजी ने अंग्रेजों के समय के कानून समाप्त किए और भारतीय न्याय संहिता को स्थापित किया। छत्तीसगढ़ में जनविश्वास विधेयक के माध्यम से हमने भी कानूनों में अनेक सुधार किए हैं। पहले छोटी सी त्रुटि पर अथवा बेहद सामान्य अपराध पर भी मुकदमा दायर कर दिया जाता था। इससे नागरिकों को अनेक बार कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ते थे, इससे नागरिक परेशान भी होते थे और कोर्ट का समय भी बर्बाद होता था।

Q **राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एससीआर) के गठन से नया रायपुर का नियोजित विकास कैसे सुनिश्चित हो रहा है?**

A हमने अटल नगर नवा रायपुर, रायपुर, दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव को जोड़ते हुए स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) का गठन किया है। इसके प्रभावी संचालन हेतु विशेष प्राधिकरण बनाया गया है, जो एससीआर में योजनाबद्ध बसाहट, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और औद्योगिक पार्क स्थापित करेगा। इस प्रयास से प्राधिकरण के माध्यम से एक सुनियोजित, आधुनिक और व्यवस्थित शहरी क्षेत्र विकसित होगा। साथ ही, बेहतर परिवहन सुविधा, हरित बुनियादी ढांचा, गुणवत्तापूर्ण आवास और निवेश को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण निर्मित होगा, जिससे रोजगार एवं विकास की नई संभावनाएं सामने आएंगी।

Q **आपके मुख्यमंत्री बनने के बाद आदिवासी भाई-बहनों को बहुत उम्मीदें, क्या कहेंगे?**

A नई औद्योगिक नीति के चलते बस्तर और सरगुजा दोनों ही संभागों में निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा। आदिवासी क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा विकास हो इसके लिए हमारी सरकार काम कर रही है। आदिवासियों के वनोपजों को समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। जो छूट गए हैं, उसे भी शामिल करेंगे। बस्तर और सरगुजा प्राधिकरण के जरिए ढेरों विकास कार्य किए जाएंगे। सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा।

Q **प्रदेश का क्षेत्रवार संपूर्ण विकास हो इसके लिए क्या रोडमैप तैयार किया गया है?**

A हमारी नई औद्योगिक नीति के केंद्र में बस्तर है। यूं तो प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना के लिए अनुदान प्रावधान रखे गए लेकिन बस्तर में इसके अतिरिक्त भी अनुदान प्रावधान रखे गए हैं। बस्तर में टूरिज्म की बड़ी संभावना है। यहां होम स्टे आदि के उद्यमियों के लिए अनुदान प्रावधान की व्यवस्था हमने की है। रावघाट से जगदलपुर रेलमार्ग पर काम शीघ्र ही आरंभ हो जाएगा। तेलंगाना के कोठागुडेम से किरंदुल को भी जोड़ने के लिए सर्वे हो रहा है। इंद्रावती को महानदी से जोड़ा जाएगा। बोधघाट प्रोजेक्ट पर हम काम शीघ्र ही आरंभ करने जा रहे हैं। मार्च 2026-तक माओवाद का पूरी तरह से खात्मा हो जाएगा। माओवाद बस्तर के विकास में बड़ी अड़चन था, इसके समाप्त होने से बस्तर में तेजी से विकास की राह खुलेगी।

Q **ओडिशा के साथ महानदी और इंद्रावती नदी जल बंटवारा विवाद लंबे समय से है। क्या इसके सुलझने की उम्मीद की जा सकती है?**

A बिल्कुल, ओडिशा के अधिकारियों से हमारे अधिकारी चर्चा कर रहे हैं। इसका संतोषजनक समाधान निकाल लिया जाएगा।

Q **बारसूर में बोधघाट परियोजना 1980 से बंद है। इस पर क्या कहेंगे?**

A बोधघाट बहुउद्देश्यीय परियोजना पर काम शीघ्र ही आरंभ हो जाएगा। कुछ महीनों पहले प्रधानमंत्री जी से से मेरी इसी बात पर चर्चा हुई। यह बातचीत बहुत सकारात्मक रही। बोधघाट परियोजना से लगभग 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी, साथ ही बिजली का उत्पादन भी होगा।

Q **बस्तर-जशपुर क्षेत्र में विकास को किस तरह गति दी जाएगी?**

A नई औद्योगिक नीति के चलते बस्तर और सरगुजा दोनों ही संभागों में निवेश काफी आकर्षक हो गया है। इसमें पर्याप्त अनुदान प्रावधान हैं। इससे क्षेत्र के विकास को तेज गति मिलेगी। बस्तर संभाग और जशपुर जिला दोनों ही पर्यटन के लिहाज से प्रदेश के सबसे सुंदर इलाके हैं। यहां पर्यटन के समग्र विकास के लिए हम काम कर रहे हैं। टूरिज्म के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगों को हम विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रहे हैं कि यहां पर निवेश करें। एडवेंचर स्पोर्ट्स आदि की सुविधा आरंभ करने वाले उद्यमियों को हम विशेष अनुदान प्रावधान देंगे। होम स्टे पर विशेष अनुदान प्रावधान उद्यमियों को दे रहे हैं। |•••

सेवा ही संगठन का मूल ध्येय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक भाजपा ने सेवा पखवाड़ा मनाया। इस अवसर पर प्रदेश में अनेक कार्यक्रम हुए।

रायपुर में छायाचित्र प्रदर्शनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आज टाउन हॉल रायपुर में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय सहित निगम -मंडल-आयोग के अध्यक्षगण, प्रदेश पदाधिकारीगण एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान का आयोजन

प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने जगदलपुर के बूथ क्रमांक 150 स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की मूर्ति परिसर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता अभियान में सम्मिलित हुए। इस दौरान सांसद महेश कश्यप, पूर्व विधायक बैदु राम कश्यप, महापौर संजय पांडेय, बस्तर जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बिलासपुर में 'नमो मैराथन'

सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत बिलासपुर में 'नमो मैराथन' का आयोजन किया गया। यह मैराथन सीएमडी चौक से शुरू होकर रिवर व्यू तक आयोजित हुई। जिसमें हजारों युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, धरमजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती हर्षिता पांडेय, छ.ग. राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, मोहित जायसवाल सहित भाजपा पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण और शहरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'नमो युवा रन' का आयोजन

उप मुख्यमंत्री सह खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस पर आयोजित 'नमो युवा रन' रायपुर का तेलीबांधा तालाब में झंडा लहराकर किया आरंभ। श्री साव ने प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं युवाओं के साथ दौड़ लगाकर स्वस्थ और नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए युवाओं को संदेश दिया। पहली बार उप मुख्यमंत्री कद के व्यक्तित्व को कदम से कदम मिलाकर साथ दौड़ता देख युवाओं में जोश और उत्साह का संचार हुआ। 10 हजार से अधिक युवाओं ने नशे को हराकर नशा मुक्त और स्वस्थ भारत बनाने का संकल्प लिया। डिप्टी सीएम साव ने कहा, इससे ही आदरणीय मोदी जी का 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरा होगा। वहीं यह दौड़ सुभाष स्टेडियम में सकारात्मक ऊर्जा के साथ समाप्त हुई।

रक्तदान शिविर का आयोजन

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर "सेवा पखवाड़ा-2025" के अंतर्गत कवर्धा में आयोजित रक्तदान शिविर में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रक्तदान कर मानव कल्याण के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। इस दौरान गणमान्यजन एवं जनता जनार्दन मौजूद रहे।

माना कैंप में पौधरोपण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर माना कैंप, रायपुर स्थित पीएम श्री आत्मानंद हाई स्कूल परिसर में माननीय प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने "सेवा पखवाड़ा-2025" के तहत देशव्यापी अभियान एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत पौधे का रोपण किया। ।•••

जनजातीय गौरव दिवस

जनजातीय नायकों के कृतित्व को सहेजना हमारी जिम्मेदारी : साय

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय रायपुर के सिविल लाइन के कन्वेंशन हॉल में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यशाला में शामिल हुए और इसका शुभारंभ किया। इस दौरान श्री साय ने कहा कि गत वर्ष भी इसी सभागार में जनजातीय गौरव दिवस की कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित हुई थी, जिसे पूरे प्रदेश में उत्साहपूर्वक मनाया गया। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय लेकर जनजातीय नायकों की गौरवशाली विरासत को सम्मानित किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पहली बार आदिवासी कल्याण मंत्रालय का गठन कर जनजातीय समाज के सम्मान और उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया था।

श्रेष्ठ भारत-समृद्ध भारत

कांग्रेस ने लौहपुरूष पटेल को भुला दिया था : किरण देव

भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 12 अक्टूबर 2025 को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा कि कांग्रेस ने भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को भुला दिया था। वहीं, उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि लौहपुरूष पटेल अपने विशाल व्यक्तित्व व विचारों के लिए सदैव हम सबके प्रेरणा में रहेंगे। मध्यप्रदेश भाजपा की प्रदेश महामंत्री व अभियान की राष्ट्रीय सह संयोजक कविता पाटीदार ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने ही श्रेष्ठ भारत-समृद्ध भारत का स्वप्न देखा था।

आजीवन सनातन की अलख जगाते रहे शांताराम जी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छत्तीसगढ़ प्रांत के पूर्व प्रचारक व संघ के विभिन्न दायित्वों में रहे शांताराम सराफ के देहावसान का समाचार से प्रदेश भाजपा-परिवार में गहन शोक की लहर है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर स्थित जागृति मंडल, पंडरी पहुंचकर श्रद्धेय शांताराम जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रद्धेय शांताराम जी के साथ उनका गहरा आत्मीय संबंध रहा है। वे सदैव अभिभावक के समान स्नेह और मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। उनका निधन संघ परिवार, समाज और प्रदेश के लिए ही नहीं, बल्कि स्वयं उनके लिए भी व्यक्तिगत क्षति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा सभी शुभचिंतकों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने भी रास्वसं के वरिष्ठ प्रचारक शांताराम सराफ के देहावसान पर गहन शोक व्यक्त किया। श्री देव ने कहा कि स्व. सराफ का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, सिद्धांतों और भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के लिए समर्पित रहा। स्व. सराफ का जीवन समूचे संघ-परिवार के लिए अनुकरणीय है। उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए श्री देव ने कहा कि हमने अपना अभिभावक खो दिया है।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने अपनी गहन संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि रा.स्व.सं. के वैचारिक अधिष्ठान को आत्मसात कर आजीवन हिन्दुत्व की अलख जगाने में जुटे रहे स्व. सराफ ने समर्पण, मर्यादा और सादगी का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह सामाजिक व अन्य सभी क्षेत्रों में काम करने वाले हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए आकाश-दीप बनकर प्रेरणा प्रदान करेगा। श्री जम्वाल ने परमपिता परमेश्वर से स्व. सराफ की आत्मा को चिरशांति व अपने चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्व. सराफ ने सम्पूर्ण जीवन संघ की सेवा में समर्पित कर दिया था। उनका पूरा जीवन त्यागमय था। वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले महामना थे। उन्होंने कभी परिस्थितियों के साथ समझौता नहीं किया। अपने संत स्वभाव, आत्मीय मिलनसारिता और सादगी से वे हर कार्यकर्ता को प्रेरित करते थे।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने श्रद्धेय शांताराम जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे हमारे अभिभावक थे। उन्होंने मदकूदीप को पुनर्जीवित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपनी विनम्रता तथा जीवन मूल्यों से सभी के आदर्श बने। संघ के वरिष्ठ प्रचारक के रूप में उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता और स्वयंसेवकों को परिवार मानकर निरंतर मार्गदर्शन किया। मुख्यमंत्री रहते हुए भी मुझे उनका स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहा। उनके निधन से पूरा प्रदेश शोकाकुल है।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह ने भी वरिष्ठ प्रचारक व छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत प्रचारक रहे शांताराम जी के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका समग्र जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा है। उनके निधन से हम सबकी अपूरणीय क्षति हुई। भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय व अखिलेश सोनी सहित भाजपा व मोर्चा-प्रकोष्ठों के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भी संघ प्रचारक शांताराम सराफ के निधन पर गहन शोक व्यक्त कर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने संघ प्रचारक शांताराम सराफ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शांताराम जी की स्मृति को 'दीप कमल' परिवार की भी विनम्र श्रद्धांजलि। ।•••

रायपुर विधानसभा की पहली महिला विधायक थीं रजनी ताई

रायपुर शहर की पूर्व विधायक श्रीमती रजनी ताई उपासने का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका जन्म 28 अप्रैल 1933 को महाराष्ट्र के परतवाड़ा में हुआ। उनका विवाह आकोट के श्री दत्तात्रेय प्रह्लाद उपासने के साथ हुआ। उनके चार पुत्र हैं जगदीश, सच्चिदानंद, गिरीश और हेमंत। वह प्रारंभ से ही भारतीय जन संघ की कार्यकर्ता रही पूरा परिवार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों के लिए समर्पित रहा। रजनी ताई ने अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक आंदोलन किए और जेल गईं। आपातकाल के विरुद्ध ताई ने भूमिगत आंदोलन का सफल संचालन किया उनके तीन पुत्र मीसा आपातकाल के दौरान जेल में बंद रहे। उन्होंने अपने जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे। 1977 में जनता पार्टी की सरकार में वे रायपुर शहर से विधायक चुनी गईं। समाज कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष रहीं विभिन्न संगठन के पदों पर प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने काम किया। महिला मोर्चे को खड़ा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहीं। भाजपा और अन्य दलों के नेताओं के साथ उनके घनिष्ठ संपर्क थे। अटल जी, आडवाणी जी, सुषमा स्वराज जी, राजमाता जी, विद्या चरण शुक्ला जी, अर्जुन सिंह जी, सुंदरलाल पटवा जी, वीरेंद्र कुमार सकलेचा जी, कैलाश जोशी जी सहित अनेक नेताओं के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध रहे, यही कारण है कि कोरोना काल में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी जी ने उन्हें फोन पर सीधी बातचीत की, उनका हाल-चाल जाना और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। ताई को 'दीप कमल' परिवार की विनम्र श्रद्धांजलि।•••

श्रीमती रजनी ताई उपासने

28 अप्रैल 1933-27 अगस्त 2025

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली, टोक्यो
भाद्रपद 07, शक संवत् 1947
29 अगस्त 2025

श्री जगदीश उपासने जी,

आपकी माता श्रीमती रजनी ताई उपासने जी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुःख हुआ। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं।

श्रीमती रजनी ताई उपासने जी का जीवन सेवा व संस्कार को समर्पित रहा। भारतीय जनसंघ के समय से ही वह राष्ट्रसेवी विचारधारा के साथ जुड़ी रहीं और इन विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए श्रीमती रजनी ताई उपासने जी न केवल भूमिगत आंदोलनों में सक्रिय रहीं, बल्कि उन्हें जेल भी जाना पड़ा।

रायपुर शहर की विधायक के रूप में क्षेत्र के विकास और महिलाओं की प्रगति के लिए उन्होंने प्रभावी कदम उठाये। उनके द्वारा जनकल्याण नीतियों के लिए किये गये कार्यों को याद किया जाएगा। उनका निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

आज श्रीमती रजनी ताई उपासने जी हमारे बीच नहीं हैं, पर उनकी कृतियां और जीवन मूल्य परिवार के साथ बने रहेंगे।

ईश्वर से प्रार्थना है कि वह इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार और शुभचिंतकों को यह दुःख सहन करने का धैर्य और संबल प्रदान करें।

ॐ शांति!

(नरेन्द्र मोदी)

स्व. ताई को मोदीजी का प्रणाम।

पत्रिका दीप कमल के वाट्सएप समूह से जुड़ने व ई-पत्रिका प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

निवेदन दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं। फोन या मोबाइल नंबर पर भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर डूमरतराई, रायपुर। (छग), मोबाइल नंबर : 92016-33511, फोन : 0771-2233500,
Email : mydeepkamal@gmail.com

कार्यकर्ता-कार्यालय-कार्य

जिला कार्यालय "अटल कुंज" सूरजपुर लोकार्पण (20 अगस्त 2025)

जिला कार्यालय सारंगढ़–बिलाईगढ़ का लोकार्पण (11 अगस्त 2025)

जिला कार्यालय खैरागढ़ के पिपरिया में लोकार्पण (13 अगस्त 2025)

जिला कार्यालय इस्पात नगरी भिलाई के सुपेला में लोकार्पण (18 अगस्त 2025)

नि:शुल्क विज्ञापन

RNI No.CHHHIN/2004/13926
डाक पंजी. क्रमांक : छ.ग./रायपुर संभाग/78/2023-25

CSPDCL

पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना

अतिशेष बिजली डिस्कॉम को बेच कर होगी अतिरिक्त कमाई

उपभोक्ता से बनें ऊर्जादाता

डबल सब्सिडी

मासिक बिजली बिल से कम पैसों में

केंद्र के साथ अब मिलेगी राज्य की भी सब्सिडी

लगाएं रूफटॉप सोलर प्लांट

1kW मात्र ₹15,000 में

2kW मात्र ₹30,000 में

आवेदन प्रक्रिया व अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए लिंक पर जाएं

https://pmsuryaghar.gov.in/

QR कोड स्कैन करें

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹170
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹341
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹818

*बैंक द्वारा 6.5% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमारा संकल्प
हाफ बिजली से मुफ्त बिजली